epaper.dehatsandesh.com

3 उधमपुर के छात्रों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

5 अस्ट्रेलिया ने अंडर 19 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, ओलिवर पीक होंगे कप्तान

8 बरसीम की खेती से सम्बंधित जानकारी

न्यूनतम 9 मौसम जम्मू अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-304 | जम्मू तवी, शुक्रवार 12 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

मोदी और गृह मंत्री के नेतृत्व में हम पूरे आतंकी इकोसिस्टम को खत्म कर रहे हैं : सिन्हा

जम्मू, 11 दिसंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को जम्मू में आतंकवाद पीड़ितों के 41 परिवार के सदस्यों को नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हम पूरे आतंकी इकोसिस्टम को खत्म कर रहे हैं। हमने शांति खरीदी नहीं, बल्कि शांति स्थापित की है।

उपराज्यपाल सिन्हा ने जम्मू में आतंक पीड़ितों के 41 परिवारों को नौकरी पत्र सौंपे

एलजी ने नागरिक शहीदों को श्रद्धांजलि दी और आतंक पीड़ित परिवारों का दुख साझा किया। उपराज्यपाल ने यह नियुक्ति पत्र अनुकंपा नियुक्ति नियम एसआरओ-43 और पुनर्वास सहायता योजना (आरएएस) के तहत आयु में छूट के मामलों में 22 लाभार्थियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीदों के 19 आश्रितों को सौंपे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पीड़ित परिवारों को दशकों तक चुपचाप संघर्ष करने के लिए छोड़ दिया गया। इन परिवारों को न्याय से वंचित कर दिया गया। गहरे घाव कभी ठीक नहीं हुए। ऐसे परिवारों को अब पहचाना, सम्मान और पुनर्वास किया जा रहा है।

उन्होंने दोहराया कि उन परिवारों की गरिमा और आर्थिक सुरक्षा बहाल करना उनकी प्रतिबद्धता है, जिन्होंने सबसे अधिक कीमत चुकाई है। हमारा मिशन उन परिवारों के जीवन में बदलाव लाना है, जिन्हें जानबूझकर न्याय से वंचित किया गया है, ताकि वे समाज की सर्वांगीण प्रगति और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि ख़त्म हो रहे आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र के कुछ तत्व हैं, जो देश के खिलाफ गलत सूचना या नकारात्मक बातें फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे तत्वों के खिलाफ देश के स्थापित कानूनी ढांचे के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपराज्यपाल ने 28 जून, 2005 की दिल दहला देने वाली घटना के बारे में बताया, जब राजौरी के कोटरंका के रहने वाले नसीब सिंह के पिता धर्म सिंह और चार अन्य लोगों की आतंकवादियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि दो दशकों तक नसीब सिंह और उनका परिवार दुख, निरंतर भय और असुरक्षा में जीने को मजबूर था। उनके जीवन के काले दिन समाप्त हो गए हैं। यह परिवार के लिए आशा और सपनों की एक नई सुबह है।इसी तरह रियासी के रहने वाले अख्तर हुसैन की 13 जुलाई, 2005 को आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी और बच्चों को दो दशकों तक भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इससे परिवार पर गहरा असर पड़ा। 15 नवंबर, 2004 को किश्तवाड़ के बलान टुंडवा में दो आतंकवादियों ने एसपीओ संजीत कुमार की उनके दोस्त के साथ हत्या कर दी, जब वे एक पड़ोसी की शादी की तैयारी कर रहे थे। इन परिवारों ने अकथनीय दु:ख का बोझ उठाया।

मुख्यमंत्री उमर ने रेवेन्यू बढ़ाने और खर्चों पर सख्त कंट्रोल का आदेश दिया

जम्मू तवी, 11 दिसंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को सभी तरह से रेवेन्यू बढ़ाने और ऐसे खर्चों पर सख्त कंट्रोल रखने को कहा जिन्हें टाला जा सकता है, और विभागों से फाइनेंशियल ईयर के बाकी महीनों में भी इसी रफ़्तार को बनाए रखने का आग्रह किया। ये निर्देश अब्दुल्ला ने डिस्ट्रिक्ट कैपेक्स, कॉन्स्टिट्यूएंसी डेवलपमेंट फंड के कामों, प्रोजेक्ट्स और जम्मू-कश्मीर की पूरी फाइनेंशियल स्थिति की प्रोग्रेस का आकलन करने के लिए एक रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए दिए।

प्रिंसिपल सेक्रेटरी, फाइनेंस ने सेक्टर के हिसाब से एक पूरी जानकारी पेश की, जिसमें अचीवमेंट्स, रुकावटें और ज़रूरी एक्शन के बारे में बताया गया।

डिस्ट्रिक्ट कैपेक्स के तहत खर्च का रिव्यू करते हुए, जिसमें सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीमें भी शामिल हैं, मुख्यमंत्री ने 2025-26 के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल, टेंडरिंग और दिए गए कामों की स्थिति की जांच की। उन्होंने हर विभाग को तय टाइमलाइन के अंदर काम करने, प्रोसेस में देरी से बचने और यह पक्का करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया कि चल रहे और नए मंजूर किए गए काम ज़मीन पर तेज़ी से पूरे हों।

प्रिंसिपल सेक्रेटरी, फाइनेंस ने सेक्टर के हिसाब से एक पूरी जानकारी पेश की, जिसमें अचीवमेंट्स, रुकावटें और ज़रूरी एक्शन के बारे में बताया गया।

सभी स्ट्रीम में रेवेन्यू बढ़ाने और ऐसे खर्चों पर सख्त कंट्रोल रखने की अपील करते हुए, उन्होंने डिपार्टमेंट से साल के बाकी महीनों में भी इसी रफ़्तार को बनाए रखने की अपील की।

उन्होंने फील्ड-लेवल पर कड़ी मॉनिटरिंग की अहमियत पर ज़ोर दिया और सभी डिप्टी कमिश्नरों से यह पक्का करने को कहा कि क्वालिटी स्टैंडर्ड, ट्रांसपेरेंसी और समय पर यूटिलाइज़ेशन सर्टिफिकेट जमा करना लागू करने के ज़रूरी हिस्से बने रहें।

अब्दुल्ला ने संबंधित अधिकारियों को काम में तेज़ी लाने, रुकावटों को पहले से दूर करने और स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट के तहत ज़रूरी इंस्टीट्यूशनल सुधारों को तेज़ी से करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि SASCI J&K के इंफ्रास्ट्रक्चर और गवर्नेंस सुधार एजेंडा की रीढ़ है, और देरी से स्कीम का मकसद ही खत्म हो जाता है।

PM-SYM (प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन) को एक फायदेमंद और सामाजिक रूप से अहम स्कीम बताते हुए, मुख्यमंत्री ने डिप्टी कमिश्नरों को उन इलाकों में पहुंच बढ़ाने का निर्देश दिया जहां यह नहीं है ताकि सभी को इसका कवरेज मिले और योग्य लाभार्थी छूट न जाएं।

खबर संक्षेप

एसआईए ने डोडा में हिजबुज मुजाहिदीन आतंकवादी की 1 कनाल से ज्यादा ज़मीन अटैच की

श्रीनगर, 11 दिसंबर। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने गुरुवार को डोडा ज़िले के बेहोटा गांव में हिज़्बुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी की अचल संपत्ति अटैच की है। एक बयान में एसआईए के प्रवक्ता ने कहा कि डोडा के बटोट गांव का आतंकवादी ज़ाहिद हुसैन बेटा अब्दुल करीम वानी पुलिस स्टेशन जेआईसी जम्मू के एफआई नंबर 03/2022 के मामले में वांछित है। बयान में कहा गया है कि यह अटैचमेंट कोर्ट के आदेश के बाद किया गया और यह कार्रवाई रेवेन्यू अधिकारियों और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की गई। बयान के अनुसार 1 कनाल और 16 मरला ज़मीन की पहचान आरोपी की पुश्तैनी संपत्ति के हिस्से के तौर पर की गई। इसमें लिखा है कि धारा 83 सीआरपीसी के तहत अटैचमेंट की घोषणा करने वाला एक नोटिस बोर्ड जगह पर औपचारिक रूप से लगाया गया है। पूरी प्रक्रिया की ज़रूरी कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ठीक से फ़ोटो खींची गई, रिकॉर्ड की गई और डॉक्यूमेंट किया गया।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में 13 से 17 दिसंबर तक हल्की बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 11 दिसंबर । मौसम विभाग ने गुरुवार को अपनी नई एडवाइज़री में कहा कि जम्मू और कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में 13 से 17 दिसंबर तक हल्की बर्फबारी हो सकती है। एक अधिकारी ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में 12 दिसंबर को मौसम हल्के बादल रहने की संभावना है जबकि 13-17 दिसंबर तक उत्तर और मध्य कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में देर रात और सुबह के समय हल्के से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 18-19 दिसंबर तक मौसम के हालात हल्के से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि 20-21 दिसंबर को शाम के समय आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और कश्मीर डिवीज़न में कुछ जगहों पर और जम्मू डिवीज़न में कुछ जगहों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि 22 से 25 दिसंबर तक मौसम हल्के बादल वाला रहेगा।

ऑपरेशनल कारणों से श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पांच उड़ानें रद्द

श्रीनगर, 11 दिसंबर। ऑपरेशनल कारणों से गुरुवार को श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कम से कम पांच उड़ानें रद्द कर दी गईं है। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार आज दिन के लिए तय इंडिगो की चार उड़ाने रद्द कर दी गईं। इनमें अमृतसर के लिए फ्लाइट 6ई 6165 (09:45 बजे), दिल्ली के लिए 6ई 6761 (17:35 बजे), कोलकाता के लिए 6ई 6962 (18:45 बजे) और दिल्ली के लिए 6ई 2449 (20:40 बजे) शामिल हैं।स्पाइसजेट की भी एक उड़ान रद्द की गई है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के लिए 12:55 बजे की फ़्लाइट एसजी 664 ऑपरेट नहीं हुई। रद्द की गई उड़ानों में बुक किए गए यात्रियों को रीबुकिंग और आगे की मदद के लिए संबंधित एयरलाइन्स से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

कथित कदाचार के आरोप में शिक्षक निलंबित

जम्मू, 11 दिसंबर। मुख्य शिक्षा कार्यालय (सीईओ) रामबन ने जम्मू और कश्मीर सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1956 के नियम 31 के तहत एक सरकारी स्कूल शिक्षक को निलंबित कर दिया है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार रामबन जिले के बटोत क्षेत्र के सरकारी प्राथमिक विद्यालय किलासेरी में तैनात शिक्षक ग्रेड- II बलवंत सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान शिक्षक मुख्य शिक्षा अधिकारी रामबन के कार्यालय से जुड़े रहेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि शिक्षक द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर एक विशेष समुदाय को निशाना बनाते हुए आपत्तिजनक और असंवेदनशील सामग्री पोस्ट करने के बाद कार्रवाई शुरू की गई थी। इन पोस्टों ने स्थानीय लोगों में चिंता पैदा कर दी थी जिसके बाद अधिकारियों को प्रशासनिक कार्रवाई करनी पड़ी। निलंबन आदेश, संख्या सीईओ/आर/2025/32497-500, निदेशक स्कूल शिक्षा जम्मू और जिला विकास आयुक्त रामबन को सूचना के लिए भेज दिया गया है।

जेके लद्दाख हाई कोर्ट ने 20 दिसंबर को वर्किंग डे किया घोषित

श्रीनगर, 11 दिसंबर । समय पर न्याय दिलाने के अपने वादे को दिखाते हुए जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने 20 दिसंबर (शनिवार) को वर्किंग डे घोषित किया है। इससे अगले शनिवार यानी 27 दिसंबर को पहले ही वर्किंग डे घोषित किया जा चुका है। भारत के चीफ जस्टिस की ओर से जेके और लद्दाख हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भेजे गए एक पत्र के बाद यह फैसला लिया गया है। जेके और लद्दाख हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने निर्देश दिया है कि हाई कोर्ट उन शनिवारों को पूरी तरह से काम करेगा।

सरकार ने शहरी स्थानीय निकायों को आवारा कुत्तों से स्कूलों, अस्पतालों, स्टेडियमों को सुरक्षित करने का आदेश दिया

जम्मू, 11 दिसंबर। जम्मू और कश्मीर आवास और शहरी विकास विभाग ने गुरुवार को सभी शहरी स्थानीय निकायों को दो सप्ताह के भीतर स्कूलों, अस्पतालों, स्टेडियमों और परिवहन केंद्रों की मैपिंग करने और उन्हें आवारा कुत्तों के प्रवेश से सुरक्षित करने का निर्देश दिया। इन जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के लिए अनिवार्य तीन-मासिक निरीक्षण और मानवीय । एबीसी आधारित तरीके अपनाने का भी आदेश दिया गया है साथ ही 30-दिवसीय अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी गई है। विभाग की आयुक्त-सचिव, मनदीप कौर ने एक सर्कुलर जारी कर केंद्र शासित प्रदेश के सभी यूएलबी को संस्थागत क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रभावी प्रबंधन के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनिवार्य उपायों की एक श्रृंखला को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया। सर्कुलर में स्कूलों, कॉलेजों,

अस्पतालों, स्टेडियमों, बस स्टैंडों, और रेलवे स्टेशनों सहित सभी सरकारी और निजी संस्थानों की पहचान करने के लिए दो सप्ताह का अभ्यास अनिवार्य किया गया है। शहरी स्थानीय निकायों यूएलबी से सभी उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों विशेष रूप से बच्चों द्वारा अक्सर आने-जाने वाले क्षेत्रों को वर्गीकृत करने के लिए कहा गया है। सर्कुलर में कहा गया है सभी शहरी स्थानीय निकाय, संबंधित जिला मजिस्ट्रेटों के समन्वय से इस सर्कुलर जारी होने की तारीख से दो सप्ताह की अवधि के भीतर अपनी क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर आने वाले सभी सरकारी और निजी संस्थानों की पहचान पूरी करेंगे। विभाग ने यूएलबी को सभी पहचाने गए संस्थानों के प्रशासनिक प्रमुखों को उनके परिसरों को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक संरचनात्मक और प्रशासनिक उपायों को तुरंत करने और पूरा करने में सहायता करने का निर्देश दिया सर्कुलर में कहा गया है सभी संस्थानों को कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए चारदीवारी बनाकर या मरम्मत करके गेट लगाकर और अन्य संरचनात्मक कदम उठाकर अपने परिसरों को तुरंत सुरक्षित करना होगा। विभागों को 15 दिसंबर तक बजट अनुमान प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट हर पखवाड़े प्रगति की निगरानी करेंगे।

सरकार ने बाज़ार में मिलावटी अंडों के बिकने के आरोपों की तुरंत जांच के दिए आदेश

श्रीनगर, 11 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर सरकार ने बाज़ार में मिलावटी अंडों के बिकने के आरोपों की तुरंत जांच के आदेश दिए हैं। एक विधायक ने चिंता जताई थी कि मिलावटी अंडों में ज़हरीले और कैंसर पैदा करने वाले तत्व हो सकते हैं जिससे लोगों की सेहत को खतरा हो सकता है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री के ऑफिस से जारी एक आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह मामला जम्मू-कश्मीर विधानसभा के विधायक तनवीर सादिक के सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए गए पोस्ट से सामने आया। विधायक ने जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में कथित तौर पर मिलावटी अंडों के फैलने की खबरों को उठाया था। मंत्री के कार्यालय ने बताया कि विधायक ने सार्वजनिक रूप से यह भी चिंता जताई थी कि इस तरह की मिलावट ग्राहकों के लिए नुकसानदायक हो सकती है जिसके बाद सरकार ने मामले की तुरंत जांच करने की मांग की। जवाब में एफसीएसएंडसीए मंत्री ने कानूनी माप विज्ञान विभाग के कंट्रोलर को आरोपों की तुरंत जांच और सत्यापन करने का निर्देश दिया।

जम्मू ने समग्र कृषि विकास योजना के तहत एसआरईपी 2025 के लिए फ्लैग ऑफ सेरेमनी की

जम्मू, 11 दिसंबर । जम्मू ने समग्र कृषि विकास योजना के तहत एसआरईपी 2025 के लिए फ्लैग ऑफ सेरेमनी की। कृषि मंत्री ने फील्ड बेस्ड लर्निंग के महत्व पर ज़ोर दिय। कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ऑफ़ जम्मू ने होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत बाबा जित्तो ऑडिटोरियम चट्ठा में स्टूडेंट्स रूरल एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम 2025 के लिए फ्लैग ऑफ सेरेमनी का आयोजन किया। जम्मू डिवीज़न के सभी ज़िलों से लगभग 800 छात्र इस बड़े एक्सपीरिएंशियल लर्निंग इनिशिएटिव में हिस्सा ले रहे हैं। इस मौके पर एग्रीकल्चर प्रोडक्शन डिपार्टमेंट रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट और पंचायती राज कोऑपरेटिव और इलेक्शन डिपार्टमेंट के मंत्री जाविद अहमद डार चीफ गेस्ट थे। इवेंट में बोलते हुए जाविद डार ने पूरे केंद्र

शासित प्रदेश में एग्रीकल्चरल ग्रोथ को बढ़ावा देने और किसानों की रोजी-रोटी को बेहतर बनाने में स्कास्ट-जम्मू की अहम भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की यूनिवर्सिटी एग्रीकल्चर में साइंटिफिक इनोवेशन टेक्नोलॉजी के प्रसार और कैपेसिटी बिल्डिंग की रीढ़ की हड्डी का काम करती हैं। स्टूडेंट्स से किसानों की तरह बनने किसानों के लिए काम करने और किसानों के साथ काम करने की अपील करते हुए उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि खेती की सच्ची समझ तब आती है जब युवा प्रोफेशनल्स किसान कम्युनिटी की भावना हिम्मत और काम करने के तरीके को शेयर करते हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में खेती के विकास का भविष्य काफी हद तक स्टूडेंट्स के योगदान पर निर्भर करता है जिनके इनोवेशन और जुड़ाव से डिपार्टमेंट का काम और सेक्टर की तरक्की मज़बूत होगी। मंत्री ने कहा कि एसआरईपी अलग-अलग एग्रो-क्लाइमैटिक ज़ोन में रियल-टाइम चुनौतियों को देखने और सबूतों पर आधारित प्लानिंग में योगदान देने का एक बहुत कीमती मौका देता है। होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम की तारीफ़ करते हुए उन्होंने किसान-केंद्रित कामों के लिए इसके ज़रूरी फाइनेंशियल सपोर्ट पर ज़ोर दिया। उन्होंने एस आर ई पी के ज़रिए एक्सपीरिएंशियल लर्निंग को इंस्टीट्यूशनल बनाने के लिए स्कास्ट-जम्मू की तारीफ़ की। उन्होंने रेडियो किसान जम्मू 90.8 एफ एम जैसे प्लेटफॉर्म के ज़रिए किसान-साइंटिस्ट कम्युनिकेशन के महत्व पर ज़ोर दिया उन्होंने स्टूडेंट्स को ग्रामीण कम्युनिटी के साथ गहराई से जुड़ने देसी ज्ञान को डॉक्यूमेंट करने और जम्मू और कश्मीर में खेती के सस्टेनेबल विकास में योगदान देने के लिए बढ़ावा दिया। गेस्ट ऑफ़ ऑनर, वाइस-चांसलर, प्रोफेसर बी. एन. त्रिपाठी ने यूनिवर्सिटी की एकेडमिक और एक्सटेंशन एक्टिविटीज़ को मज़बूत करने के लिए एग्रीकल्चर मिनिस्टर की तारीफ़ की।

NHPC जम्मू-कश्मीर में 25,945 करोड़ रुपये के 4 बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है

नई दिल्ली, 11 दिसंबर। भारत सरकार ने गुरुवार को लोकसभा को बताया कि NHPC जॉइंट वेंचर के ज़रिए जम्मू-कश्मीर में कुल 3,014 MW के चार बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स बन रहे हैं।

सदन के सामने रखे गए आंकड़ों के मुताबिक, चल रहे प्रोजेक्ट्स में रैटल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (850 MW) शामिल है, जिसकी अनुमानित लागत Rs 5,282 करोड़ है और यह नवंबर 2028 में चालू होने की संभावना है।

पकाल दुल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (1,000 MW) की अनुमानित लागत 12,728 करोड़ है, जो दिसंबर 2026 में चालू होने की संभावना है।

किरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (624 MW) की अनुमानित लागत 5,409 करोड़ है, जो दिसंबर 2026 में चालू होने की संभावना है।

क्वार हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (540 MW) की अनुमानित लागत Rs 4,526 करोड़ है और यह मार्च 2028 तक चालू होने की संभावना है।

ये आंकड़े केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने MP मियां अल्ताफ अहमद के एक सवाल के जवाब में बताए।

मंत्री ने कहा, कुल मिलाकर, चारों प्रोजेक्ट्स में ₹ 25,945 करोड़ का निवेश हुआ है। NHPC और इसकी JV कंपनियाँ कॉन्ट्रैक्टर्स के ज़रिए प्रोजेक्ट अफेक्टेड फैमिलीज़ (PAFs) समेत लोकल लोगों को नौकरी के मौके देती हैं।

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

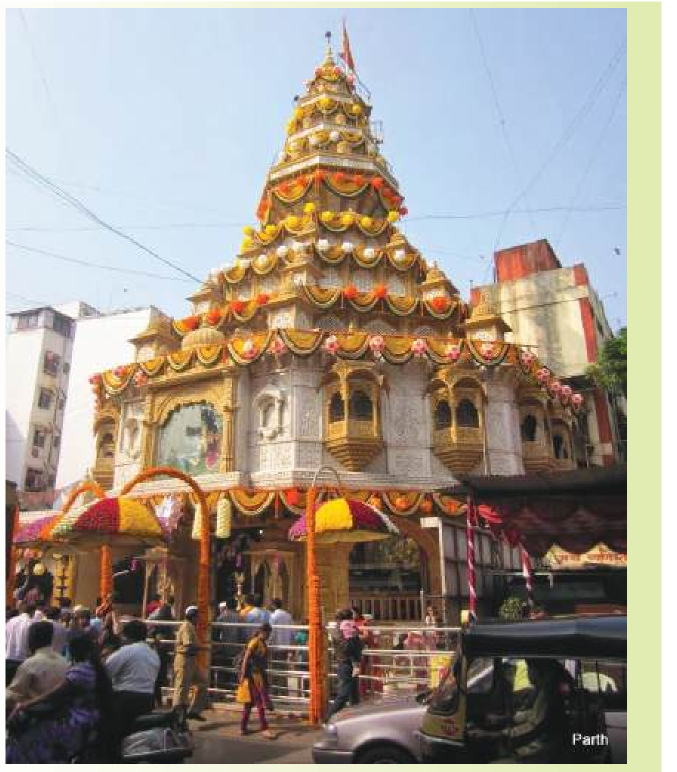

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान ||| द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू की टेबल टेनिस टीम नॉर्थ ज़ोन इंटर-यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के लिए रवाना

जम्मू, 11 दिसंबर (हि.स.)। क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू ने अपनी टेबल टेनिस (पुरुष) टीम को नॉर्थ ज़ोन इंटर-यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के लिए रवाना किया जिसका आयोजन पंजाब की चितकारा यूनिवर्सिटी में हो रहा है। टीम को हरी झंडी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. के. एस. चंद्रशेखर ने दिखाया और सभी खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। टीम के खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए वाइस चांसलर ने उनकी मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को न सिर्फ आत्मविश्वास देती हैं बल्कि यूनिवर्सिटी की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मजबूत करती हैं। उन्होंने शारीरिक शिक्षा और खेल निदेशालय के प्रशिक्षण प्रयासों की भी सराहना की।

टीम के मैनेजर डॉ. आसिफ ने खिलाड़ियों की तैयारियों पर विश्वास जताते हुए कहा कि चयन पूरी तरह पात्रता मानदंडों के अनुसार, पारदर्शी और योग्यता आधारित रहा है। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रशासन के निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। शारीरिक शिक्षा और खेल निदेशक, डॉ. विनोद बख्शी ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों से टीम वर्क, अनुशासन और प्रतिस्पर्धी भावना बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अवसर खिलाड़ियों के लिए सीखने और आगे बढ़ने का बेहतरीन मंच है। क्लस्टर यूनिवर्सिटी समुदाय ने पूरी टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि खिलाड़ी नॉर्थ ज़ोन इंटर-यूनिवर्सिटी टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उत्कृष्टता का नया मानदंड स्थापित करेंगे।

उधमपुर के छात्रों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

जम्मू, 11 दिसंबर(हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के छात्रों के एक समूह ने गुरुवार को दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

सेना के उधमपुर मुख्यालय की उत्तरी कमान ने एक्स को बताया उधमपुर, जम्मू-कश्मीर के छात्रों के एक समूह ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। समूह ने राष्ट्रीय एकता यात्रा के हिस्से के रूप में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया। इस कार्यक्रम की व्यापक रूप से सराहना की गई और इसका स्वागत किया गया क्योंकि सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम की सराहना करने वाले लोगों की बाढ़ आ गई जबकि अन्य लोगों ने राष्ट्र को एकजुट करने के लिए इस तरह के और अधिक एकीकृत कार्यक्रमों का आह्वान किया। एक एक्स यूजर ने कहा कि इस तरह की पहल देखना अच्छा लगता है। उधमपुर जैसे जिले के छात्रों के लिए राष्ट्रपति भवन में घूमना और राष्ट्रपति से मिलना देश और अपने भविष्य दोनों को देखने के उनके नजरिए को बदल सकता है। एक अन्य उपयोगकर्ता ने कहा कि राष्ट्रीय एकता बहुत वास्तविक लगती है जब दूर-दराज के क्षेत्रों के युवा खुद को भारत के लोकतंत्र के केंद्र में पाते हैं। उन्होंने कहा कि उधमपुर के युवा दिमागों को राष्ट्रपति भवन की भव्यता का अनुभव करते और माननीय राष्ट्रपति से मिलते हुए देखना अविश्वसनीय है राष्ट्रीय एकता यात्राएं वास्तव में हमारे विविध राष्ट्र में एकता और गौरव के धागे बुनती हैं। एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा गया बसंतगढ़ से राष्ट्रपति भवन तक एक गर्व का क्षण क्योंकि हमारे छात्र भारत के राष्ट्रपति से मिले सेना और नागरिक प्रशासन भी जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से छात्रों और जनमत नेताओं के लिए अन्य राज्यों का दौरा करने और देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे भूगोल संस्कृति, भाषा और विकासात्मक परियोजनाओं से परिचित होने के लिए लोगों के साथ बातचीत करने के लिए दौरे आयोजित कर रहा है।

संघर्ष समिति ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी और एलजी प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की

जम्मू, 11 दिसंबर (हि.स.)। आज संघर्ष समिति की कोर कमेटी की बैठक गीता भवन में कर्नल सुखवीर सिंह मनकोटिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक के बाद संघर्ष समिति की टीम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

कर्नल मनकोटिया ने अपनी बात रखते हुए सबसे पहले ट्रांसपोर्टरों, व्यापारियों ट्रेडर्स, बार एसोसिएशन,युवा राजपूत सभा और आंदोलन को समर्थन देने वाले सभी लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से यह आंदोलन मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

कर्नल मनकोटिया ने बताया कि समिति ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिला संयोजकों डिस्ट्रिक्ट कन्वीनर्स के साथ बैठक की है और उन्हें आंदोलन को और तेज करने के लिए अपने-अपने जिलों में विरोध-प्रदर्शन आयोजित करने को कहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि एमबीबीएस दाखिलों के मामले में सबसे ज्यादा युवा प्रभावित होते हैं, इसलिए समिति ने यूथ विंग संघर्ष समिति तैयार कर दी है जो युवाओं की बात जोर-शोर से रखेगी।

जल्द ही महिला विंग का भी गठन किया जाएगा।

कर्नल मनकोटिया ने अपने आंदोलन को तेज करने की धमकी देते हुए सरकार को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हमें हल्के में न लिया जाए अन्यथा यह आंदोलन कोई भी रूप ले सकता है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार, श्राइन बोर्ड या एलजी साहब इसमें जितनी देर करेंगे उनके लिए इस आंदोलन को संभालना उतना ही मुश्किल होता जाएगा। संयोजक ने बताया कि अधिकारियों की देर करने की नीति के कारण आंदोलन की आग अब जम्मू-कश्मीर से बाहर जा रही है। देश भर के कई संगठन (ऑर्गेनाइजेशन) समिति से संपर्क कर रहे हैं और इस आंदोलन में साथ देने को तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम नहीं चाहते कि इस आंदोलन की आग पूरे देश में फैले औरद्ध अराजकता का माहौल बने।

कृषि निदेशालय ने दुस्सू में जेकेसीआईपी कार्यशाला का आयोजन किया

श्रीनगर, 11 दिसंबर (हि.स.)। कृषि निदेशालय ने दुस्सू में जेकेसीआईपी के तहत यूथ क्लबों के लिए जिला-स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। कृषि निदेशालय कश्मीर ने आज दुस्सू पुलवामा में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना के तहत एक जिला-स्तरीय जागरूकता और शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम निदेशक कृषि कश्मीर सरताज अहमद शाह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और आगामी कृषि चक्र के लिए विभाग के व्यापक दृष्टिकोण को साझा किया।

अपने उद्घाटन भाषण में निदेशक ने इस बात पर जोर दिया कि कार्यशाला का उद्देश्य कृषि योजना को मजबूत करना किसान-उन्मुख सेवा वितरण को बढ़ाना और सूचित निर्णय लेने के आधार पर एक मजबूत विकास ढांचा स्थापित करना है।

उन्होंने विभागीय योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक समझ के साथ अधिकारियों और क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को लैस करने में जिला-स्तरीय जागरूकता कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला जिससे कृषि समुदाय को समय पर और प्रभावशाली लाभ सुनिश्चित हो सके। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निदेशक ने परियोजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए समन्वित प्रयासों पारदर्शिता और निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे कार्यशाला की सीख को यूथ क्लबों के सदस्यों के साथ जमीनी स्तर तक ले जाएं और जेकेसीआईपी के कुशल और परिणाम-उन्मुख कार्यान्वयन के लिए जिले को एक मॉडल बनाने के लिए सामूहिक रूप से काम करें। कार्यशाला में प्रमुख अधिकारियों और हितधारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया जिसमें सहायक विकास आयुक्त अवंतीपोरा संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार कश्मीर मुख्य कृषि अधिकारी पुलवामा और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

खौड में जन-समस्याओं पर बोले नरिंदर सिंह भाऊ, सीमा क्षेत्र की असल आवाज़ अब भी अनसुनी

जम्मू, 11 दिसंबर (हि.स.)। सीमा क्षेत्र की बढ़ती समस्याओं को रेखांकित करते हुए सार्वजनिक प्रतिनिधि नरिंदर सिंह भाऊ ने खौड में प्रेस कॉन्फ़्रेंस कर छम्ब विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख जन-समस्याओं को विस्तार से सामने रखा। यह संवाद उपायुक्त जम्मू डॉ. राकेश मिन्हास की हालिया सार्वजनिक पहुँच शिविर यात्रा के बाद आयोजित किया गया। भाऊ ने जहां डीसी के दौरे का स्वागत किया, वहीं आरोप लगाया कि प्रशासन की बातचीत वास्तविक हितधारकों तक नहीं पहुंची और कुछ चुनिंदा समूहों तक ही सीमित रह गई, जिससे सरहद के लोगों की असली आवाज़ दबकर रह गई। उन्होंने सबसे पहले अखनूर-पंजतूट-पलटन सड़क की जर्जर हालत को गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि यह मार्ग हजारों लोगों की जीवनरेखा है लेकिन इसकी दयनीय स्थिति रोज़ाना सफर को जोखिमभरा बना रही है। भाऊ ने सड़क की तत्काल मरम्मत, चौड़ीकरण और ब्लैकटॉपिंग की मांग उठाई। सीमा गांवों की सुरक्षा पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि खौड, खड़ा, पंजतूट, पलटन सहित कई सरहदी गांवों में मौजूद बंकर क्षतिग्रस्त, अधूरे या अपर्याप्त हैं। भाऊ ने पूरे क्षेत्र का नया सर्वे कर सुरक्षित और मजबूत बंकरों के निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि संवेदनशील सीमा क्षेत्र होने के बावजूद छम्ब में कोई भी पूर्ण रूप से कार्यशील अस्पताल उपलब्ध नहीं है, जहां आपात स्थिति में सही उपचार मिल सके।

पुलिस ने हेरोइन के साथ एक महिला ड्रग तस्कर को किया गिरफ्तार

जम्मू, 11 दिसंबर (हि.स.)। सांबा पुलिस ने 14.22 ग्राम हेरोइन जैसे पदार्थ और 87140 रुपये नकद के साथ एक महिला ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। सांबा में ड्रग तस्करों और पेडलरों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए सांबा पुलिस ने विजयपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक महिला ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से लगभग 14.22 ग्राम हेरोइन जैसे पदार्थ 87140 रुपये नकद और एक वजन मशीन बरामद की है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए विजयपुर पुलिस स्टेशन की एक टीम ने विजयपुर के रख बरोटियां में छापा मारा और इलाक के युवाओं में हेरोइन बेचने में शामिल एक महिला ड्रग तस्कर को उसके घर से गिरफ्तार किया।

जीजीएम साइंस कॉलेज में राहत वितरित और मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

जम्मू, 11 दिसंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट गांधी मेमोरियल (जीजीएम) साइंस कॉलेज ने बाढ़ प्रभावित अपने लोकल फंड कर्मचारियों को राहत सहायता प्रदान की और साथ ही नीरज शर्मा मेमोरियल मेधावी छात्रवृत्ति के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 के टॉपर्स को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम कॉलेज के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य सचिव और वित्तीय सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, शांतमनु उपस्थित रहे। विशेष अतिथि प्रो. रतन लाल शर्मा रहे। कॉलेज की कल्याणकारी योजना के तहत कुल 2 लाख रूपये की वित्तीय सहायता नौ लोकल फंड कर्मचारियों को दी गई, जिनके परिवार हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित हुए थे। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को त्वरित राहत देना और कॉलेज की संवेदनशीलता को प्रदर्शित करना रहा।

इसके साथ ही दिवंगत नीरज शर्मा की स्मृति में स्थापित छात्रवृत्ति सत्र 2024-25 के ओवरऑल टॉपर और केमिस्ट्री टॉपर को प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत समिति की संयोजक डॉ. यास्मीन मुगल के स्वागत भाषण से हुई। कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक जिम्मेदारी पर रोशनी डाली। इसी बीच मुख्य अतिथि शांतमनु ने कॉलेज के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि संवेदनशीलता, सहयोग और ज्ञान ही एक मजबूत समाज की नींव हैं।

पुलिस ने केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से बिना स्वामित्व हस्तांतरण के लिए गए वाहनों पर कार्रवाई की

जम्मू, 11 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से बिना स्वामित्व हस्तांतरण के लाए गए वाहनों पर कार्रवाई की। झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन के एसएचओ इंस्पेक्टर विकास डोगरा के नेतृत्व में जम्मू पुलिस ने झज्जर कोटली में एक विशेष नाका लगाकर बड़ी सफलता हासिल की।

जांच अभियान के दौरान पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले सात वाहन जब्त किए। ये वाहन केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से लाए गए थे। लेकिन इनका स्वामित्व वर्तमान उपयोगकर्ताओं के नाम पर कानूनी रूप से हस्तांतरित नहीं हुआ था जिसके कारण झज्जर कोटली पुलिस ने कार्रवाई कीद्य जम्मू पुलिस सभी वाहन मालिकों से कानूनी नियमों का पालन करने और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए स्वामित्व हस्तांतरण की अनिवार्य प्रक्रिया समय पर पूरी करने की अपील करती है।

उधमपुर पुलिस ने स्नैचिंग और एटीएम धोखाधड़ी मामले का खुलासा किया

उधमपुर, 11 दिसंबर (हि.स.)। उधमपुर पुलिस ने पीएस उधमपुर के स्नैचिंग और एटीएम धोखाधड़ी मामले का खुलासा किया, 03 अभियुक्त गिरफ्तार नकदी बरामद दिनांक 04.12.2025 और 06.12.2025 को पुलिस स्टेशन उधमपुर को अनिल शर्मा पुत्र तारा चंद निवासी लशीरा और हाजी सैफ अली पुत्र नूर जमाल निवासी डब्ल्यू नं.05 उधमपुर से लिखित शिकायत मिली कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी जेब से नकदी छीन ली है और मौके से भाग गए हैं।

मामले का संज्ञान लेते हुए पीएस उधमपुर में एफआईआर संख्या 415/2025 और एफआईआर संख्या 416/2025 यू/एस 304 बीएनएस दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। आरोपी व्यक्तियों का पता लगाने के लिए एसएचओ पीएस उधमपुर के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था। जांच के दौरान और सीसीटीवी फुटेज, मानव खुफिया और तकनीकी सहायता की मदद से।आरोपी व्यक्तियों की पहचान मुश्ताक अहमद पुत्र निसार अहमद निवासी प्रमपिला, तहसील उरी जिला बारामूला के रूप में की गई, सैयद तुफल हुसैन पुत्र सईद जुल्फकार हुसैन निवासी परमपिला उरी बारामूला और मुर्तजा दोई उर्फ ??काका पुत्र गुलाम नबी दोई निवासी जलालसाहिब बारामूला।

निरंतर और सावधानीपूर्वक प्रयासों के बाद।पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से 27,000 की रकम बरामद की गई है। जांच से धोखाधड़ी वाले एटीएम कार्ड प्रतिस्थापन और अनधिकृत निकासी में उनकी संलिप्तता का पता चला है।

गंदेरबल के गडोरा से लेकर उमर हीर तक लैंड माफिया और रेत माफिया एक बार फिर सक्रिय

गंदेरबल,11 दिसंबर (हि.स.)। गंदरबल एक तरफ भले ही जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री लगातार दावा कर रहे हों कि यहां गैर-कानूनी माइनिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लेकिन जमीनी हालात साफ दिखाते हैं कि हालात दावों के उलट हैं। गडोरा से लेकर उमर हीर तक लैंड माफिया और रेत माफिया एक बार फिर सक्रिय हैं जो दिन-दहाड़े मशीनों से रेत निकाल रहे हैं और उसे ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। हालांकि गंदेरबल पुलिस लगातार अपने इलाके में इन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर रही है और कार्रवाई कर रही है और इसमें शामिल लोगों को बेनकाब कर रही है लेकिन सवाल यह है कि इस इलाके में ये कौन लोग हैं जो इस गैर-कानूनी काम को अंजाम देकर दबदबा बना रहे हैं।

कठुआ विधायक ने 50 लाख रुपये से विकास कार्य शुरू करवाए

कठुआ, 11 दिसंबर (हि.स.)। विधायक डॉ. भरत भूषण ने गुरुवार को कठुआ में 50 लाख रुपये की अनुमानित लागत से जिला रोजगार कार्यालय से शनि मंदिर तक एक बड़े नाले के निर्माण कार्य की शुरुआत की।इस मौके पर बोलते हुए डॉ. भरत भूषण ने कहा कि नाले की कमी के कारण हर जगह गंदगी थी और लोग पिछले 15 सालों से ज्यादा

समय से समस्याओं का सामना कर रहे थे। बारिश का पानी और ओवरफ्लो नाले का पानी निचले इलाकों के घरों में घुस जाता था जिससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरे पैदा होते थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब नाले के बनने से शिव नगर के निवासियों को राहत मिलेगी। बाद में विधायक ने कठुआ की कृष्णा कॉलोनी में फ्रूट मंडी पुल का निरीक्षण किया जो अगस्त 2025 में बादल फटने और उसके बाद आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गया था। यहां महत्वपूर्ण पुल की सुरक्षा के लिए क्रेट वर्क किया गया है। इस मौके पर बीजेपी कार्यकारी समिति के सदस्य प्रेम नाथ डोगरा, सत पाल मनसोत्रा, राहुल देव, अनिरुद्ध शर्मा, भानु प्रताप सिंह सहित अन्य मौजूद थे। इनके अलावा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ इलाके के स्थानीय निवासी भी मौजूद थे।

एपीएस अखनूर में वार्षिक खेल दिवस शिखर-सशक्त भारत की उड़ान धूमधाम से आयोजित

जम्मू, 11 दिसंबर (हि.स.)। आर्मी पब्लिक स्कूल अखनूर ने अपने वार्षिक खेल दिवस शिखर सशक्त भारत की उड़ान को बेहद उत्साह, ऊर्जा और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल हरबिंदर सिंह बरार, संरक्षक एपीएस अखनूर, तथा रुपाली बरार, चेयरपर्सन फैमिली वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन क्रॉस स्वॉर्ड डिवीजन शामिल हुए। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ जिसके बाद एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न हाउस के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। तालमेल भरे कदम, दमदार कमांड और ऊर्जावान नारों ने स्कूल की अनुशासनशीलता और हाउस स्पिरिट को उजागर किया। विभिन्न सांस्कृतिक तथा फिटनेस प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम को आकर्षक बनाया, जिनमें रचनात्मकता, ताल और टीमवर्क का सुंदर मिश्रण देखने को मिला। खेल स्पर्धाओं के दौरान मैदान रोमांच से भर गया। विद्यार्थियों ने ट्रैक इवेंट्स में गति और सहनशक्ति, हर्डल व रिले रेस में चुस्ती और फील्ड इवेंट्स में शक्ति एवं कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दर्शकों की तालियों ने हर प्रदर्शन में जोश भर दिया। शिक्षकों, अभिभावकों और सहयोगी स्टाफ के लिए आयोजित मैत्रीपूर्ण रेसों ने कार्यक्रम में सौहार्द और एकता की भावना को और मजबूत किया।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण था यत्न सिद्धि पुरस्कार—सर्वाधिक प्रगतिशील छात्र सम्मान का वितरण। ब्रिगेडियर आशीष रिक्हिये और रजनी रिक्हिये द्वारा शुरू किया गया यह पुरस्कार उन छात्रों को दिया जाता है जिन्होंने कक्षा 10 व 12 की सीबीएसई परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हों और 20 प्रतिशतया उससे अधिक शैक्षणिक सुधार दिखाया हो। इस वर्ष मास्टर उत्तम सिंह और मास्टर कंवर विशाल सिंह को 10,000 रूपये एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

पुलिस ने टिकरी में दो ड्रग तस्करों को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया

ऊधमपुर, 11 दिसंबर (हि.स.)। उधमपुर पुलिस ने टिकरी में दो ड्रग तस्करों को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया पीपी टिकरी की पुलिस टीम ने नाका प्वाइंट टिकरी पर यातायात जांच के दौरान दो व्यक्तियों को मंथल की ओर से पैदल आते देखा जो नाका देखकर अचानक पीछे मुड़ गए और विपरीत दिशा में चलने लगे।

संदेह को भांपते हुए नाका पार्टी ने तुरंत उन्हें चेकिंग के लिए पकड़ लिया।

पूछताछ के दौरान दोनों की पहचान नितिन शर्मा पुत्र देस राज शर्मा निवासी वार्ड नंबर 07 शक्ति नगर उधमपुर और विशाल सिंह पुत्र जगदीश सिंह निवासी शक्ति नगर उधमपुर के रूप में हुई। उनकी व्यक्तिगत तलाशी से 7.07 ग्राम हेरोइन बरामद हुई जिसके लिए वे कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके।

दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में पीएस रेहम्बल में एफआईआर संख्या 209/2025 यू/एस 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

भारत का पहला स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन चालित यात्री जलयान की वाराणसी में वाणिज्यिक सेवा आरंभ

वाराणसी, 11 दिसंबर। भारत ने अपने हरित समुद्री अभियान में एक बड़ा कदम उठाया है, क्योंकि पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज यहां नमो घाट पर देश के पहले पूरी तरह से स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन चालित यात्री यात्री जलयान वाणिज्यिक संचालन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह जलयान भारत में समुद्री परिवेश में हाइड्रोजन ईंधन सेल प्रणोदन का प्रदर्शन करने वाला पहला जलयान है और इसमें पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक का उपयोग किया गया है। यह एक निम्न तापमान प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन ईंधन सेल प्रणाली पर संचालित होता है जो संग्रहित हाइड्रोजन को बिजली में परिवर्तित करता है और उप-उत्पाद के रूप में केवल पानी उत्सर्जित करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, 卐प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत स्वच्छ, टिकाऊ और आत्मनिर्भर परिवहन प्रणालियों की ओर एक परिवर्तनकारी बदलाव देख रहा है। हमारे पहले स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन चालित जलयान का शुभारंभ प्रधानमंत्री जी के इस दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह उपलब्धि प्रधानमंत्री की मेक इन इंडिया की प्रतिबद्धता और सभी क्षेत्रों में हरित परिवहन की ओर बदलाव को दर्शाती है। यह उपलब्धि हमारी पवित्र गंगा के पुनरुद्धार और संरक्षण के व्यापक मिशन को भी मजबूत करती है। जलमार्गों पर स्वच्छ तकनीकों को बढ़ावा देते हुए, हम न केवल नवाचार को प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि विकास पर्यावरण के प्रति हमारे दायित्व के साथ-साथ चले। आज की यह उपलब्धि हमारे राष्ट्र के लिए एक हरित और समृद्ध समुद्री भविष्य के निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री के अटूट संकल्प को दर्शाती है।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के स्वामित्व वाला यह जलयान कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। परीक्षण संचालन पूर्ण होने के बाद जलयान सेवा में प्रवेश करेगा। यह पहल 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है और भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों में स्वच्छ, टिकाऊ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करती है।

संपादकीय

शिक्षकों को मूल्यों को बनाए रखना चाहिए

रामबन के CEO द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक और समुदाय-लक्षित कंटेंट अपलोड करने के आरोप में एक सरकारी स्कूल के टीचर को सस्पेंड करने के संबंध में जारी आदेश ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि शिक्षक समाज के लिए रोल मॉडल के रूप में काम करने के लिए बाध्य हैं, चाहे वे शैक्षणिक संस्थानों के अंदर हों या बाहर।

रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य शिक्षा कार्यालय रामबन ने जम्मू और कश्मीर सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1956 के नियम 31 के तहत जिले के बटोत ज़ोन के सरकारी प्राइमरी स्कूल, किल्लासेरी में तैनात ग्रेड-II के एक टीचर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

यह बताना ज़रूरी है कि शिक्षकों की समाज के प्रति बड़ी ज़िम्मेदारी होती है और किसी भी परिस्थिति में उनके व्यवहार को पूर्वाग्रह से भरा या सामाजिक मानदंडों के विपरीत नहीं होने देना चाहिए।

कोई कह सकता है कि शिक्षक सिर्फ़ ज्ञान के भंडार नहीं होते जो वे अपने छात्रों को देते हैं, बल्कि उन्हें अनुकरणीय कार्य करने चाहिए क्योंकि उन पर युवा दिमागों को आकार देने और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने की ज़िम्मेदारी होती है।

समाज के इस वर्ग द्वारा किसी भी तरह का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार जनता के विश्वास को कम करेगा और शिक्षण पेशे की पवित्रता को नुकसान पहुंचाएगा, जो कि गलत और अस्वीकार्य है। मुख्य शिक्षा कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई एक कड़ी चेतावनी है कि राष्ट्र निर्माण का काम करने वाले लोग अनुचित स्वतंत्रता नहीं ले सकते, खासकर ऐसी स्वतंत्रता जो भावनाओं को भड़का सकती है या सांप्रदायिक संतुलन को बिगाड़ सकती है।

ऐसे मामले संबंधित विभाग के लिए शिक्षकों को उनके कर्तव्यों और सीमाओं के बारे में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालते हैं क्योंकि एक सच्चा शिक्षक कभी भी पक्षपाती नहीं होना चाहिए या उसे किसी भी वर्ग या धर्म के प्रति अपने मन में पूर्वाग्रह रखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इससे ऐसे और व्यक्ति पैदा हो सकते हैं जो ऐसी संस्थाओं के संपर्क में आते हैं और ऐसे तिरस्कारपूर्ण मानसिकता वाले लोगों से प्रभावित होते हैं।

इस घटना से शिक्षा अधिकारियों को निगरानी तंत्र को मज़बूत करने और नियमित संवेदीकरण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए भी प्रेरित होना चाहिए ताकि शिक्षक अपने पेशे से जुड़ी नैतिक अपेक्षाओं से अवगत रहें।

ऐसे युग में जहां सोशल मीडिया छोटी से छोटी गलती को भी बढ़ा-चढ़ाकर दिखा सकता है, यह ज़रूरी हो जाता है कि शिक्षक संयम, ज़िम्मेदारी और सामाजिक प्रतिबद्धता की गहरी भावना का पालन करें ताकि उनका आचरण - ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों - उस महान पेशे की गरिमा को बनाए रखे जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। इस संबंध में जारी आदेश में उक्त शिक्षक को यह भी निर्देश दिया गया है कि निलंबन अवधि के दौरान, वह मुख्य शिक्षा अधिकारी, रामबन के कार्यालय से जुड़े रहेंगे। इस टीचर के ख़िलाफ़ की गई कार्रवाई J&K में अलग-अलग वजहों से ऐसे अपमानजनक काम करने वाली सभी संस्थाओं के लिए एक सबक है, क्योंकि सरकार ने इस कदम से यह साफ़ कर दिया है कि ऐसे गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा की ओर कदम- श्रम संहिताएँ और डिजिटल ढाँचा

जी. मधुमितादास

सामाजिक सुरक्षा प्रणालियाँ गरीबी कम करने, मजबूती बढ़ाने और न्यायसंगत विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रत्येक निवासी को, उसकी आय, रोजगार की स्थिति या जनसांख्यिकीय विशेषता की परवाह किए बिना, पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, बेरोजगारी भत्ता या दिव्यांगता सहायताजैसे न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच प्रदान करता है। भारत अब सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में पहले से कहीं अधिक नजदीक है- एकऐसी प्रणाली जिसे अधिकांश राष्ट्र, यहाँ तक कि सबसे विकसित देश भी, दशकों तक निरंतर निवेश और प्रयास करने के बाद ही स्थापित कर पाए।

श्रम संहिताओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के माध्यम से, देश के पास हर कामगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचा मौजूद है —चाहे वह गिग ड्राइवर हो, फैक्ट्री कर्मचारी हो या निर्माण कार्य करने वाला प्रवासी मजदूर हो। सामाजिक सुरक्षा संहिता नौ प्रमुख कानूनों को एकल एकीकृत ढांचे में समेकित करती है। इससे प्रशासनिक जटिलता कम करने, लाभों को हस्तांतरित करने की योग्यता बेहतर बनाने, नियोक्ताओं के लिए अनुपालन सरल बनाने और निगरानी व प्रवर्तन मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इसकी बदौलत विशेषकर असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्यमों के कामगार — जहाँ भारत के 90% कामगार काम करते हैं— नौकरशाही की अड़चनों में उलझे बगैर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

यह संहिता सरकार को भी यह अधिकार देती है कि वह सभी क्षेत्रों में उद्यमों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), मातृत्व लाभ और ग्रेच्युटी का कवरेज बढ़ा सके, ताकि अब तक असुरक्षित रहे कामगारों को लाभ मिल सके और छोटे उद्यमों में स्वैच्छिक पंजीकरण को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कोष / राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष की व्यवस्था प्रदान करती है, जहाँ सरकार का वित्तीय योगदान, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का योगदान, नियोक्ता और कर्मचारियों का योगदान एकत्रित किया जा सकता है, जो सामाजिक सुरक्षा कवरेज को सहायता प्रदान कर सकता है।

लेकिन केवल कानून बनाना भर ही पर्याप्त नहीं है। जो बात वास्तव में भारत को उसके वैश्विक समकक्षों से अलग कर सकती है, वह है उसका उभरता डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र–ई-श्रम डेटाबेस और आधार प्रमाणीकरण से लेकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्लेटफ़ॉर्म तक। ये सभी उपकरण मिलकर भारत को पारंपरिक कल्याण मॉडल से आगे बढ़ने और एक पोर्टेबल, पारदर्शी, तकनीक–सक्षम कल्याण प्रणाली बनाने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं, जो दुनिया की किसी भी प्रणाली से अलग है।

सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश सार्वभौमिकता सुनिश्चित करने के लिए हर निवासी को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं जो सीधे लाभों से जुड़ी होती है। भारत के पास आधार - के रूप में यह सुविधा पहले से मौजूद है—जो अत्यंत विश्वसनीय और निशुल्क प्रमाणीकरण प्रदान करता है।

आधार सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की सबसे बड़े बाधा- अर्थात, विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और नियोक्ताओं में लाभार्थियों की पहचान और प्रमाणीकरण को हल करता है। प्रवासी कामगारों के लिए, आधार–सक्षम पोर्टेबिलिटी यह कर सकती है, जो पिछली पीढ़ी के कल्याणकारी सुधार हासिल नहीं कर पाए - स्थान की परवाह किए बगैर लाभों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करना। यह प्रणाली नॉर्वे और डेनमार्क जैसे देशों में डिजिटल आईडी आधारित प्रणालियों की तरह है, जहाँ नागरिक अपनी कल्याण पहचान को अलग-अलग क्षेत्रों और सेवाओं में निर्बाध रूप से अपने साथ रख सकते हैं।

जहाँ एक ओर दुनिया भर में संगठित क्षेत्र के कामगार सामान्यत- सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अंतर्गत आते हैं, वहीं नियोक्ता–कामगार के बीच स्थिर रोजगार संबंध नहीं होने के कारण असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कवर करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। कई देश एकीकृत श्रम कानूनों पर भरोसा करते हैं, लेकिन बहुत कम देशों के पास भारत के ई-श्रम डेटाबेस जैसा विशाल राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एकीकृत पंजीकरण तंत्र का प्रावधान ई-श्रम के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो पहले से ही 310 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के कामगारों के जनसांख्यिकीय, कौशल और व्यवसाय संबंधी डेटा को संग्रहित करता है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रत्येक कामगार की विशिष्ट रूप से पहचान की जाती है और उन्हें एक ई-श्रम यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) प्रदान किया जाता है।

भारत की क्षमता—एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से असंगठित कामगारों की विशिष्ट पहचान करना, उन्हें सीधे पंजीकृत करना और ट्रैक करना—सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए तेज़ पंजीकरण, बेहतर पोर्टेबिलिटी और कामगार डेटा के रियल-टाइम अपडेट की सुविधा प्रदान कर सकती है। भविष्य में, यदि ई-श्रम और ईपीएफओ यूएएन को पोर्टेबल बनाया जाता है, तो असंगठित और संगठित क्षेत्र के बीच श्रमिकों की गतिविधियों को ट्रैक करना संभव होगा। इससे श्रम बाजार की गतिशीलता का विश्लेषण किया जा सकेगा और यह सार्वजनिक नीतियों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण डेटा स्रोत साबित होगा।

यूपीआईऔर डीबीटी- वह महत्वपूर्ण कड़ी जिसे ज्यादातर देश अभी तक अपना नहीं पाए

जहाँ एक ओर दुनिया भर में संगठित क्षेत्र के कामगार सामान्यत- सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अंतर्गत आते हैं, वहीं नियोक्ता–कामगार के बीच स्थिर रोजगार संबंध नहीं होने के कारण असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कवर करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। कई देश एकीकृत श्रम कानूनों पर भरोसा करते हैं, लेकिन बहुत कम देशों के पास भारत के ई-श्रम डेटाबेस जैसा विशाल राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एकीकृत पंजीकरण तंत्र का प्रावधान ई-श्रम के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो पहले से ही 310 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के कामगारों के जनसांख्यिकीय, कौशल और व्यवसाय संबंधी डेटा को संग्रहित करता है।

कल्याण पर ज्यादा ध्यान देने वाले देश बैंकों और पारंपरिक भुगतान प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं। हालाँकि भारत ने दुनिया के सबसे तेज़, कम लागत वाले और इंटरऑपरेबल भुगतान नेटवर्क में से एक यूपीआई की पहल की है। डीबीटी के साथ एकीकृत होने के कारण, भारत के पास सामाजिक सुरक्षा भुगतान को तुरंत और सीधे कामगारों के खातेमें पूरे देश में कहीं भी भेज सकने की प्रमाणित क्षमता है।

यह एक ऐसी क्षमता है जिसके लिए विकसित अर्थव्यवस्थाएँ भी संघर्ष करती हैं। महामारी के दौरान, अमेरिका तक में लाखों लोगों को प्रोत्साहन चेक के लिए हफ्तों बाट जोहनी पड़ी थी। इसके विपरीत, भारत ने आपातकालीन कोविड-19 भुगतान लाखों लाभार्थियों तक अभूतपूर्व गति से हस्तांतरित किया था।

केंद्रीय और राज्य सरकारों के पास जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य कवरेज, मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा आदि से जुड़ी कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ हैं। इन योजनाओं में ई-श्रम पंजीकृत कामगारों को शामिल करके तथा यूपीआई और डीबीटी का उपयोग करके, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को बड़े पैमाने पर, उपयोगकर्ता-अनुकूल, पारदर्शी और कुशल तरीके से हासिल किया जा सकता है।

इतिहास में पहली बार, भारत के पास सभी महत्वपूर्ण साधन- कानूनी ढांचा (श्रम संहिताएँ), एक राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर (ई-श्रम), एक सार्वभौमिक पहचान प्रणाली (आधार), एक रियल-टाइम भुगतान प्रणाली (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली (डीबीटी) मौजूद हैं। यह संयोजन वैश्विक स्तर पर दुर्लभ है। यदि इसे सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो भारत एक ऐसा सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा मॉडल बना सकता है जो केवल समावेशी ही नहीं, बल्कि मूल रूप से डिजिटल आधारित और भविष्य के लिए सुरक्षित भी हो—एक ऐसा मॉडल,जिसका अन्य देश एक दिन अध्ययन करें।

सामाजिक सुरक्षा संहिता केवल एक कानून नहीं है; यह 21वीं सदी में किसी राष्ट्र द्वारा अपने कामगारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीके को पुनः परिभाषित करने का अवसर है। भारत को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रम संहिताएँ सभी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के इस अनूठे अवसर को पूरा करें।

***

(लेखक-श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकारहैं)

प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेन्द्र की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित, अमित शाह सहित केन्द्रिय मंत्री पहुंचे

नई दिल्ली, 11 दिसंबर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और फिल्म जगत से जुड़े अन्य लोगों ने बुधवार को प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र की स्मृति में दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अपनी भावांजली अर्पित की। धर्मेंद्र की पत्नी और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया था। उन्होंने कहा कि उनका जाना उनके लिए एक अपूरणीय व्यक्तिगत क्षति है।

गृह मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि धर्मेंद्र ने अपनी बेजोड़ अभिनय कला से देशवासियों के दिलों में अमिट स्थान बनाया और उनकी लोकप्रियता भाषा, क्षेत्र

और पीढ़ियों की सीमाओं को पार कर जन-जन के मन में बस गई। उन्होंने कहा कि भारतीय सिनेमा जगत को इस महान अभिनेता की कमी हमेशा खलती रहेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र दयोल का मुंबई में 24 नवंबर को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

ओम बिरला ने कहा कि धर्मेंद्र अपनी सरलता, विनम्रता और लोकसेवा की भावना के कारण पीढ़ियों तक लोगों के हृदय स्पर्श करते रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने धर्मेंद्र को भाजपा का गौरव बताते हुए कहा कि उनकी जीवन यात्रा देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी प्रार्थना सभा में भाग लिया। उन्होंने एक्स पर उन्हें एक महान कलाकार और विनम्र व्यक्तित्व बताया, जिनका जीवन करोड़ों लोगों को प्रेरित करता रहेगा।

वहीं पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन्हें भारतीय सिनेमा का अमिट सितारा बताया। अभिनेत्री और सांसद कंगना रणौत ने कहा कि धर्मेंद्र ग्रामीण भारत की सुगंध और मिट्टी की सादगी का प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि हेमा मालिनी और धर्मेंद्र का साथ जीवन भर रहा और अब उनका दुख पूरे परिवार के लिए भारी है। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि धर्मेंद्र ने कड़ी मेहनत से वह ऊंचाइयां हासिल कीं, जहाँ बहुत कम लोग पहुंचते हैं। उनकी फिल्म शोले हमेशा स्मरणीय रहेगी। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने धर्मेंद्र को भारतीय सिनेमा का अत्यंत सुंदर, प्रतिभाशाली और महान कलाकार बताया, जिनकी फिल्मों ने दर्शकों के दिलों पर गहरा प्रभा

भारत-रूस संबंध और बदलता वैश्विक समीकरण

- डॉ. प्रियंका सौरभ

रूस के साथ भारत के संबंध दशकों से सामरिक साझेदारी, रक्षा सहयोग और राजनीतिक विश्वास की मजबूत नींव पर टिका रहा है। शीतयुद्ध के दौर से लेकर वर्तमान तक रूस उन कुछ देशों में रहा, जिसने कठिन समय में भी भारत के हितों का समर्थन किया। परंतु साल 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाज़ार, वित्तीय ढांचे और सामरिक गठबंधनों को जिस तरह बदल दिया है, उसने भारत-रूस संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने न केवल रूस की अर्थव्यवस्था और उसकी रक्षा-उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है, बल्कि भारत जैसे साझेदार देशों के लिए भी अभूतपूर्व कूटनीतिक चुनौतियाँ पैदा की हैं।

एक ओर अमेरिका, यूरोप और इंडो-पैसिफिक साझेदार भारत से पश्चिमी मानदंडों का पालन करने की उम्मीद करते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत रूस से ऊर्जा, रक्षा और अंतरराष्ट्रीय संतुलन की ज़रूरतों को अनदेखा नहीं कर सकता।

इस दोराहे पर भारत की सबसे बड़ी परीक्षा है कि कैसे रूस के साथ संबंधों को बनाए रखते हुए अपनी सामरिक स्वायत्तता को मजबूती से स्थापित किया जाए।

आज की सबसे बड़ी जटिलता यह है कि रूस धीरे-धीरे चीन के करीब जाता दिख रहा है और यह समीकरण भारत के हितों की दृष्टि से पूरी तरह अनुकूल नहीं कहा जा सकता। चीन के साथ रूस का बढ़ता आर्थिक, तकनीकी और सैन्य सहयोग उस क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर रहा है, जिसमें भारत अपनी सुरक्षा रणनीति का निर्माण करता है। भारत जानता है कि चीन की मंशा केवल एशिया प्रभुत्व तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन को बदलने की है। ऐसे में रूस-चीन निकटता भारत की सामरिक गणना को कठिन बनाती है।

पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध भी भारत के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। रूस से होने वाले रक्षा आयात और महत्वपूर्ण स्पेयर पार्ट्स पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण धीमे पड़ रहे हैं। भारत की वायुसेना और थलसेना जिन कई प्रमुख प्रणालियों पर निर्भर हैं, वे रूस द्वारा निर्मित या रूस के सह-उत्पादन वाले हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूसी रक्षा उद्योग पर जो दबाव बढ़ा है, उसने भारत को कई सैन्य परियोजनाओं की समय-सीमा को लेकर चिंतित कर दिया है।

कुछ हथियार प्रणालियों और मिसाइल डिलीवरी में देरी भी इसे दर्शाती है। यह स्थिति भारत को मजबूर करती है कि वह दीर्घकालिक रूप से अपने रक्षा स्रोतों को विविध बनाए और घरेलू उत्पादन पर अधिक ध्यान दे।

इसी बीच व्यापारिक असंतुलन भी भारत-रूस संबंधों का एक गंभीर पहलू बनकर उभरा है। कच्चे तेल के आयात में भारी वृद्धि ने रूस के साथ भारत के व्यापार को एकतरफा बना दिया है। रूस को भारत से निर्यात बेहद कम है और भुगतान प्रणाली भी स्पष्ट ढंग से स्थिर नहीं हो पाई है। रुपया-रूबल व्यापार व्यवस्था पश्चिमी प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग नियमों के कारण अपेक्षित दक्षता हासिल नहीं कर पाई है।

इससे दोनों देशों के व्यापारिक ढांचों में अनिश्चितता और जोखिम बढ़ा है।

दूसरी ओर पश्चिमी देश भी चाहते हैं कि भारत रूस का समर्थन कम करे और यूक्रेन मुद्दे पर एक नैतिक रुख अपनाए। लेकिन भारत की विदेश नीति का आधार साझा नैतिकता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कई बार मतदान से दूरी बनाकर यह स्पष्ट किया है कि वह किसी भी पक्ष का सीधा समर्थन नहीं करेगा। भारत का यह संतुलित रुख उसकी सामरिक स्वायत्तता का प्रतीक है।

परन्तु पश्चिमी देशों में इसे लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएँ देखने को मिली हैं। कुछ इसे भारत की 'प्रैगमैटिक डिप्लोमेसी' कहते हैं, तो कुछ इसे रूस के प्रति 'अतिरिक्त सहानुभूति' की तरह देखते हैं। भारत को इन दबावों के बीच अपनी विदेश नीति को चतुराई से साधना होगा।

भारत के सामने एक चुनौती यह भी है कि रूस और अमेरिका दोनों उसके महत्वपूर्ण साझेदार हैं।

अमेरिका आज भारत का सबसे बड़ा तकनीकी और आर्थिक भागीदार है, साथ ही क्वाड के माध्यम से एशिया-प्रशांत सुरक्षा ढांचे का अभिन्न हिस्सा भी। वहीं रूस पारंपरिक सहयोगी है और दशकों से भारत के रक्षा ढांचे का मुख्य स्तंभ बना हुआ है। इन दोनों स्तंभों के बीच संतुलन बनाए रखना भारत की कूटनीति के लिए अत्यंत जटिल किंतु आवश्यक कार्य है। भारत को यह दिखाना होगा कि दोनों साझेदारियों में विरोधाभास नहीं बल्कि परस्पर पूरक लाभ हैं।

भारत इस मुश्किल संतुलन को बनाए रखने के लिए कई कूटनीतिक रणनीतियाँ अपना सकता है। सबसे पहले, उसे रक्षा आयात पर निर्भरता कम करके मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को तेज़ी से आगे ले जाने की नीति अपनानी होगी। रूस के साथ संयुक्त उत्पादन और तकनीकी सहयोग को भारतीय भूमि पर बढ़ाया जा सकता है, जिससे सीधे आयात पर निर्भरता घटेगी और प्रतिबंधों का प्रभाव न्यूनतम होगा। इसके साथ भारत को यूरोप, अमेरिका, फ्रांस और इज़राइल जैसे देशों के साथ नई रक्षा साझेदारियों को मजबूत करना होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम यह होगा कि भारत रूस के साथ ऊर्जा, कृषि, फार्मा, आईटी और अन्य गैर-रक्षात्मक क्षेत्रों में व्यापारिक विविधता को बढ़ाए। इससे व्यापारिक असंतुलन कम होगा और दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरता आएगी। तीसरा उपाय यह है कि भारत को एक विश्वसनीय और प्रतिबंध-सुरक्षित भुगतान व्यवस्था विकसित करनी होगी। इसके लिए ब्रिक्स, एससीओ और वैकल्पिक वित्तीय प्रणालियों का उपयोग कारगर हो सकता है।

कूटनीतिक स्तर पर भारत को रूस के साथ भरोसेमंद संवाद बनाए रखना होगा, और साथ ही पश्चिमी देशों को यह संदेश भी देना होगा कि भारत की तटस्थता उसकी जिम्मेदार सामरिक सोच का परिणाम है। भारत ने पहले भी यह सिद्ध किया है कि वह किसी ब्लॉक में शामिल हुए बिना भी अपने हितों की रक्षा कर सकता है। आज की वैश्विक परिस्थितियाँ भारत से और भी परिपक्व एवं बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती हैं।

इन सभी परिवर्तनों के बीच यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए किसी भी महाशक्ति का अनुसरण न करे। भारत ने हमेशा एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का समर्थन किया है, जिसमें किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो। रूस के साथ संबंध बनाए रखते हुए भी भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की दिशा को स्पष्ट रखना होगा—एक ऐसी नीति जो न तो दबाव में निर्णय ले और न ही किसी संघर्ष में अनावश्यक पक्षधरता दिखाए।

अंततः भारत-रूस संबंध आज ऐतिहासिक मोड़ पर खड़े हैं। यूक्रेन युद्ध, प्रतिबंधों की राजनीति और बदलते गठबंधन ढांचे ने इस संबंध को चुनौतीपूर्ण बना दिया है, परंतु इसमें अवसर भी छिपे हैं। भारत को यह समझना होगा कि रूस उसके लिए सिर्फ रक्षा सहयोगी नहीं, बल्कि एक ऐसा साझेदार है जिसके साथ ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संतुलन और एशियाई राजनीति के कई पहलू जुड़े हुए हैं। इसी तरह पश्चिम भी भारत के उदय का अनिवार्य साझेदार है।

इसलिए भारत का लक्ष्य किसी भी एक ध्रुव की ओर झुकना नहीं, बल्कि संतुलन का वह मार्ग चुनना होना चाहिए जो उसकी सामरिक स्वायत्तता, आर्थिक स्थिरता और वैश्विक भूमिका को अधिक सशक्त बनाता है। भारत के लिए यही वह समय है जब उसे अपने कूटनीतिक कौशल, शांत तर्क और दृढ़ संकल्प का उपयोग करते हुए दुनिया को यह दिखाना होगा कि सामरिक स्वायत्तता केवल नीति नहीं बल्कि भारत की वैश्विक पहचान है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा ने भारतीय क्रिकेटरों पर लगाए गंभीर आरोप, विदेश जाकर करते हैं गलत काम!

एजेंसी

लंदन : भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात सरकार में मंत्री रिवाबा जडेजा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपने बेबाक बयानों के लिए कुख्यात रिवाबा ने इस बार टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ियों पर गंभीर आरोप लगाकर नई बहस छेड़ दी है। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि कई भारतीय क्रिकेटर विदेश दौरों पर गलत आदतों में लिप्त होते हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पति रविंद्र जडेजा की ईमानदारी, अनुशासन और चरित्र की जमकर तारीफ की। गुजरात विधानसभा चुनाव जीतकर राजनीति में कदम रखने वाली रिवाबा जडेजा को पहले भी उनके बयानबाजी के कारण मीडिया का ध्यान मिला है। मंत्री बनने के बाद उनका यह नया बयान खेल जगत और राजनीतिक दुनिया, दोनों में हलचल पैदा कर रहा है। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारतीय टीम जब विदेशी दौरों पर जाती है, तो कई खिलाड़ी गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं। हालांकि उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया, लेकिन बातों से साफ था कि वह टीम इंडिया के कुछ सदस्यों पर गंभीर आरोप लगा रही थीं। रिवाबा ने अपने पति की अनुशासनप्रियता की तुलना बाकी खिलाड़ियों से करते हुए कहा कि जडेजा दुनिया भर के देशों–लंदन, दुबई, ऑस्ट्रेलिया में लगातार टीम के साथ यात्रा करते हैं, लेकिन उन्होंने कभी किसी भी तरह के व्यसन या अनुचित गतिविधि में खुद को शामिल नहीं किया।

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले डिविलियर्स, गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं

नई दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।'

कोहली एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, रोहित का जलवा बरकरार

दुबई : भारत के महान क्रिकेटर विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज का स्थान फिर हासिल करने की कवायद में आगे बढ़ते हुए जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। कोहली अप्रैल 2021 में पाकिस्तान के बाबर आजम द्वारा शीर्ष से हटाए जाने के बाद से दोबारा एकदिवसीय बल्लेबाजों सूची में नंबर एक स्थान हासिल नहीं कर पाए हैं। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दाएं हाथ का यह बल्लेबाज एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल करने के करीब पहुंच गया है। सैंतीस साल के कोहली को तीन मैच में 302 रन बनाने के लिए श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और वह नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के सुधार से टीम के अपने साथी रोहित शर्मा के बाद दूसरे स्थान पर आ गए। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में 146 रन बनाकर रैंकिंग के शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी। कोहली विशाखापत्तनम में श्रृंखला के आखिरी मैच में नाबाद 65 रन की पारी की बदौलत रोहित से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे हैं। रोहित के 781 जबकि कोहली के 773 अंक हैं। शुभमन गिल चोट के कारण तीन मैच की श्रृंखला में नहीं खेल पाने के बावजूद पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई करने वाले लोकेश राहुल दो स्थान के फायदे से 12वें पायदान पर हैं।

भारत के खिलाफ टी20आई सीरीज की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज

वेलिंगटन (न्यूज़ीलैंड) : न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज फिन एलन बिग बैश लीग (BBL) की वजह से भारत में होने वाली आने वाली टी20आइ सीरीज की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20आइ सीरीज 21 जनवरी 2026 को नागपुर में शुरू होगी। न्यूजीलैंड के लिए भारत मेंटी20आई सीरीज ICC T20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी का काम करेगी, जिसे भारत और श्रीलंका में मिलकर होस्ट किया जाएगा। भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20आई सीरीज अगले साल 11-17 जनवरी तक होने वाली तीन मैचों की ODI सीरीज के बाद होगी। अगर पर्थ स्कॉर्चर्स 17 जनवरी को पर्थ में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ अपना रेगुलर BBL सीजन खत्म करते हैं, तो न्यूजीलैंड के ओपनर फिन एलन चौथे टी20आई तक उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। अगर पर्थ स्कॉर्चर्स फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करते हैं, तो एलन भारत के खिलाफ पूरी 5 मैचों की टी20आई सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, ओलिवर पीक होंगे कप्तान

एजेंसी

मेलबर्न। विक्टोरिया के युवा बल्लेबाज ओलिवर पीक अगले महीने होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। बाएं हाथ के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने शैफील्ड शील्ड में अपने प्रदर्शन से पहले ही पहचान बना ली है। 19 वर्षीय पीक दूसरी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। वे 2024 में दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली टीम के सबसे युवा सदस्य थे, जब उन्हें पहले मैच के बाद चोटिल कोरी वास्लो की जगह स्क्वॉड में शामिल किया गया था। इस बार अंडर-19 विश्व कप अफ्रीकी महाद्वीप में नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती चरण में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ समूहबद्ध किया गया है। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी, जिनमें से प्रत्येक समूह की शीर्ष तीन

टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में सितंबर-अक्टूबर में खेले गए भारत के खिलाफ तीन युवा वनडे और दो युवा टेस्ट मैचों की टीम का अधिकांश हिस्सा बरकरार रखा गया है। नितेश सैमुअल, नादेन कूरे और विलियम टेलर–ये तीन नए चेहरे हाल ही में पर्थ में आयोजित अंडर-19 मेन्स नेशनल चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन के कारण चुने गए। सैमुअल ने इस आठ दिवसीय टूर्नामेंट में 364 रन बनाकर 91 की औसत से सर्वाधिक रन जुटाए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। उन्हें और कूरे को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में भी शामिल किया गया। टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन होंगे, जबकि ल्यूक बटरवर्थ और ट्रैविस डीन सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे। नीलसन ने कहा, 'हमने एक संतुलित और मजबूत टीम चुनी है जिसमें सभी खिलाड़ियों की कौशल क्षमता एक-दूसरे को पूरा करती है। यह टीम भारत दौरे और हालिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर चुनी गई है। ' कप्तान ओलिवर पीक पिछले सीजन बिग बैश में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए डेब्यू कर चुके हैं और विक्टोरिया के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेल चुके हैं। वे इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया ए और प्राइम मिनिस्टर इलेवन के लिए भी शानदार पारियां खेल चुके हैं। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के विल मलाज्चुक भी सीनियर टीम के करीब हैं और एशेज के पहले टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ समय बिताने का मौका पा चुके हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह टीम अनुभव और नई ऊर्जा का मिश्रण है ।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

एजेंसी

मेलबर्न : नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी।

भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खेली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट अंडर-19 महिला एक दिवसीय टीम में पलक का चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में दिल्ली रोड स्थित मार्डर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी की कोच मिर्जा दानिश आलम ने बताया कि प्रतिभाशाली खिलाड़ी लेग स्पिन गेंदबाज पलक ने एक बार फिर शहर का नाम रोशन किया है। बेहतरीन प्रदर्शन और निरंतर मेहनत के बल पर उनका चयन बुधवार को उत्तर प्रदेश क्रिकेट अंडर-19 महिला एक दिवसीय टीम में हुआ है। कानपुर में 3 से 10 दिसंबर में आयोजित ट्रायल्स के आधार पर उनका चयन टीम में हुआ है। इनके चयन से शहर के खिलाड़ियों और परिवार में खुशी का माहौल है। बुद्ध विहार निवासी सत्यपाल सिंह की बेटी पलक सिंह पांच सालों से क्रिकेट में अभ्यास कर रही हैं। मूलरूप से मेरठ निवासी परिवार दो साल से शहर में रह रहा है। वह एमपीएस क्रिकेट एकेडमी में अभ्यास करती है। उनका चयन रणजी ट्राफी के लिए यूपी अंडर-19 महिला एकदिवसीय टीम में हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन अहमदाबाद में 13 से 21 दिसंबर तक किया जाएगा। इसमें कुल पांच टीमें हिस्सा

ले रही है। पलक इससे पहले भी अंडर-19 टी20 और अंडर-23 टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। पलक ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से मार्डर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी में नियमित रूप से अभ्यास कर रही हैं। उनकी कोच मिर्जा दानिश आलम के निर्देशन में होती है। पलक ने कहा कि आज जो भी सफलता उन्हें मिली है, उसका पूरा श्रेय वह अपने कोच मिर्जा दानिश आलम को देना चाहती हैं। उन्होंने हमेशा सही तकनीक, खेल की बारीकियां समझाते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। पलक ने बताया कि कोच की मार्गदर्शन और प्रेरणा ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

पलक ने कहा कि उनका लक्ष्य भारतीय महिला क्रिकेट टीम में जगह बनाना है। वह चाहती हैं कि आने वाले समय में देश का प्रतिनिधित्व करें और मुरादाबाद, अपने माता-पिता तथा अपनी अकादमी का नाम पूरे देश में रोशन करें। अकादमी में पलक के चयन की खबर से खुशी का माहौल है। कोच और साथियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पलक में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट खेलने की पूरी क्षमता है।

डीसी स्कूल कप : तीसरे दिन शौर्य मेंदिरत्ता की शानदार गेंदबाजी और गोलू डांगी की तूफानी पारी से रोमांचक रहे मुकाबले

एजेंसी

नई दिल्ली। डीसी स्कूल कप के तीसरे दिन भी खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन जारी रहा। लक्ष्मण पब्लिक स्कूल के शौर्य मेंदिरत्ता ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि अमेरिकन एड्यू ग्लोबल स्कूल के गोलू डांगी ने केवल 44 गेंदों पर 85 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर सबका ध्यान खींचा। दिन के पहले मुकाबले में लक्ष्मण पब्लिक स्कूल ने जीडी गोयनका वसंत विहार को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने का निर्णय टीम के लिए फायदेमंद साबित हुआ। ताजी पिच का पूरा लाभ उठाते हुए लक्ष्मण पब्लिक स्कूल के गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को केवल 62 रनों पर समेट दिया। शौर्य मेंदिरत्ता ने 4 रन देकर 6 विकेट हासिल किए, जबकि कप्तान आर्यन कपूर और रूविक मल्होत्रा ने 2-2 विकेट लेकर शानदार सहयोग दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लक्ष्मण पब्लिक स्कूल की टीम ने मात्र 6.5 ओवर में बिना विकेट खोए जीत दर्ज कर ली। रूविक मल्होत्रा ने

23 गेंदों में ताबड़तोड़ 45 रन बनाए।दूसरे मुकाबले में अमेरिकन एड्यू ग्लोबल स्कूल ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। ओपनर गोलू डांगी ने सिर्फ 44 गेंदों पर 85 रन की धमाकेदार पारी खेली, जबकि अंकुश चौधरी ने 55 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वंस अरोड़ा ने 3/28 लेकर स्ट. मार्क्स स्कूल के लिए महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, लेकिन टीम जवाबी कोशिश में पीछे रह गई। स्ट. मार्क्स की ओर से वंस अरोड़ा ने 43 गेंदों पर 59 रनों की जुझारू पारी खेली, मगर शुभ तोमर, वत्सल और दक्ष कौशिक ने 2-2 विकेट लेकर उनकी टीम को 126 पर समेट दिया। नतीजा–अमेरिकन एड्यू ग्लोबल स्कूल ने मुकाबला 42 रन से जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: वेस्टइंडीज की पहली पारी 205 रन पर सिमटी, टिकनर ने झटके चार विकेट

एजेंसी

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर और डेब्यू कर रहे माइकल रे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज की पहली पारी को 75 ओवर में 205 रन पर समेट दिया। टिकनर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 32 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि रे ने अपने डेब्यू मैच में 3 विकेट हासिल किए। हालांकि दिन के खेल के दौरान न्यूजीलैंड को झटका भी लगा, जब टिकनर 67वें ओवर में फील्डिंग के दौरान कंधे में चोट लगने के कारण स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाए गए। उनके कंधे के डिसलोकेट होने की आशंका जताई जा रही है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर ब्रैंडन किंग (33) और जॉन कैंपबेल (44) ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े। टिकनर ने किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर साझेदारी तोड़ी और इसके बाद कावेम होज को

शून्य पर पवेलियन भेजा। इसके बाद कैंपबेल ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन लंच तक वेस्टइंडीज का स्कोर 92/2 रहा। लंच के बाद डेब्यू कर रहे माइकल रे ने वापसी करते हुए कैंपबेल को स्लिप में कैच कराया। शाई होप (48) और रोस्टन चेज (29) ने चौथे विकेट के लिए 60 रन जोड़कर पारी को संभालने की कोशिश की। टी के समय स्कोर 175/4 था और वेस्टइंडीज अच्छी स्थिति में दिख रही थी, लेकिन अंतिम सत्र में न्यूज़ीलैंड के गेंदबाजों ने मैच का रुख पलट दिया। टिकनर ने होप और चेज के विकेट लेकर दबाव बनाया, जबकि माइकल रे ने जस्टिन ग्रेव्स (13) और केमार रोच (0) को आउट कर वेस्टइंडीज की कमर तोड़ दी। अंत में ग्लेन फिलिप्स और जैकब डफी ने शेष विकेट लेकर वेस्टइंडीज को 205 रन पर समेट दिया। जवाब में न्यूजीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के 9 ओवर में 24 रन बना लिए हैं। टॉम लैथम 7 रन और डेवोन कॉनवे 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद रहे।

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीज पहली पारी- 205/10 (75 ओवर): शाई होप 48, जॉन कैंपबेल 44, ब्लेयर टिकनर 4/32, माइकल रे 3/67

न्यूजीलैंड 24/0 (9 ओवर): डेवोन कॉनवे नाबाद 16 रन, टॉम लैथम नाबाद 7 रन

न्यूजीलैंड पहली पारी में अभी 181 रन पीछे है।

जूनियर महिला वर्ल्ड कप : आखिरी सेकंड में बराबरी, फिर शूटआउट में भारत ने उरुग्वे को हराया

एजेंसी

सैंटियागो (चिली) : भारत ने आखिरी सेकंड में बराबरी करने के बाद उरुग्वे को ख्रढ्ढ॥ हॉकी जूनियर महिला वर्ल्ड कप 2025 के 9/12 क्लासिफिकेशन मैच में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत के लिए मनीषा ने (19वें) ने भारत के लिए गोल किया जिसके बाद जस्टिना अरेंगुई ने (60वें) मिनट सिर्फ दो सेकंड बाकी रहते पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जिससे सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में मैच शूटआउट में चला गया।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जल्दी दबाव बनाया और कई बार सकर्ल में एंट्री की। हालांकि, उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे उसे भुना नहीं पाये। भारत ने 18वें मिनट में एक अच्छे पेनल्टी-कॉर्नर वेरिएशन के साथ जवाब दिया, लेकिन साक्षी राणा का शॉट ब्लॉक हो गया। अगले ही मिनट में मनीषा ने दूर से एक जोरदार गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारतीयों ने 11 सकर्ल पेनिट्रेशन किए, जबकि उरुग्वे ने डिफेंसिव शेल में गहरी पकड़ बना ली थी।

ब्रेक के बाद भी यही पैटर्न जारी रहा भारत ने हाई लाइन बनाए रखी और उरुग्वे को पीछे धकेल दिया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद वे बढ़त नहीं बना पाए। आखिरी क्वार्टर के 49वें मिनट में उरुग्वे ने आगे बढ़ने का प्रयास किया लेकिन गोलकीपर निधि ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार बचाव करके भारत की बढ़त बनाए रखी। उरुग्वे ने आखिरी मिनटों में अपने गोलकीपर को हटाकर एक एक्स्ट्रा आउटफील्ड प्लेयर को शामिल किया, और यह कदम बहुत फायदेमंद रहा। दो सेकंड बाकी रहते, उन्हें एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे अरेंगुई ने शांति से गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का आगाज अगले साल 16 फरवरी से

एजेंसी

नई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) का आयोजन 16 से 26 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। यह घोषणा पहले किए गए उस ऐलान के बाद हुई है, जिसमें लीग के उद्घाटन सत्र को वर्ष 2026 की शुरुआत में कराने की जानकारी दी गई थी। अब अंतिम तारीखें इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) के 2026 कैलेंडर के अनुरूप तय की गई हैं, ताकि किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से टकराव न हो।

इस लीग में देश और विदेश के कई शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, जिससे दर्शकों को रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबले देखने को मिलेंगे। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का उद्देश्य लीग-फॉर्मेट में विश्वस्तरीय शूटिंग को प्रस्तुत करना और खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाना है।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, शूटिंग लीग ऑफ इंडिया हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। यह फ्रेंचाइजी आधारित, खिलाड़ी-केंद्रित और वैश्विक कैलेंडर के अनुरूप है, जिससे अधिकतम अंतरराष्ट्रीय भागीदारी संभव होगी। मिश्रित टीम मुकाबलों और प्रीमियम प्रसारण के साथ हम विश्वस्तरीय उद्घाटन सत्र प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं।

एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने कहा, हमें खुशी है कि शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का पहला संस्करण अगले साल की शुरुआत में होगा। इसमें भारत और विदेश के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिससे मुकाबले बेहद प्रतिस्पर्धी होंगे। यह लीग शूटिंग खेल को बढ़ावा देने और घरेलू खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के एथलीटों के साथ खेलने का बेहतरीन अवसर प्रदान करेगी। पूर्व विश्व चैंपियन और शूटिंग दिग्गज रंजन सोढ़ी ने कहा, कसा हुआ प्रारूप, मिश्रित टीम प्रणाली और उम्दा प्रसारण शूटिंग जैसे तकनीकी खेल को भी दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक बना सकते हैं। यह मंच खेल की बारीकियों को रोचक कहानी में बदलने की क्षमता रखता है।

पूर्व विश्व नंबर-1, खेल रत्न एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अंजलि भगवत ने कहा, यह मंच जूनियर और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को वैश्विक सितारों के साथ खेलने और उनसे सीखने का मौका देगा। सुरक्षित कैलेंडर और मजबूत आयोजन व्यवस्था के साथ यह लीग आने वाली पीढ़ी को प्रेरित कर सकती है।इस प्रतियोगिता में मिश्रित टीम स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री-पोज़िशन) और शॉटगन (ट्रैप व स्कीट) शामिल हैं। फ्रेंचाइजी आधारित टीमों को लीग चरण में दो समूहों में बांटा जाएगा, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे।

खिलाड़ियों का ड्राफ्ट चार श्रेणियों – एलीट चैंपियंस, वर्ल्ड एलीट, नेशनल चैंपियंस और जूनियर एवं यूथ में किया जाएगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय सितारों, शीर्ष भारतीय निशानेबाजों और उभरती प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण तैयार किया जा सके।

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच के बाद खिलाड़ियों की शर्मनाक हरकत, लाइव प्रसारण वायरल होने के बाद जांच शुरू

एजेंसी

कराची : पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन और देश की सबसे बड़ी ओलंपिक संस्था कराची में पाकिस्तान आर्मी और WAPDA टीम के बीच सेमीफाइनल मैच के बाद हुई एक शर्मनाक घटना की जांच कर रही है जिसमें कई खिलाड़ियों और अधिकारियों को चोटें आई हैं।

KPT स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल गेम्स फुटबॉल सेमीफाइनल के बाद दोनों तरफ के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को मुक्के और लातें मारीं। मैच का लाइव प्रसारण हो रहा था, इसलिए ये शर्मनाक दृश्य कैमरे में कैद हो गया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई लोगों ने दोनों टीमों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

यह लड़ाई तब शुरू हुई जब WAPDA के कुछ सदस्यों ने आर्मी के खिलाड़ियों के अपनी

डगआउट के सामने जीत का जश्न मनाने पर गुस्सा जताया। ख्रस्न्न के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा क्योंकि नेशनल गेम्स उसी के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा, 'हम अपनी जांच करेंगे और लड़ाई भड़काने या शुरू करने में शामिल पाए गए खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।' वीडियो में कुछ WAPDA खिलाड़ी मैच रेफरी का पीछा करते हुए उसके चेंजिंग रूम में जाते दिखे और कथित तौर पर अन्य अधिकारियों और खिलाड़ियों द्वारा बचाए जाने से पहले उनके साथ मारपीट भी की गई। WAPDA के खिलाड़ी रेफरी द्वारा अपने विरोधियों को पेनल्टी किक दिए जाने से नाखुश थे।

सेल्टा से हार के बाद रियल मैड्रिड के कई खिलाड़ियों पर दुर्व्यवहार को लेकर लगे प्रतिबंध

एजेंसी

मैड्रिड। सेल्टा विगो से हार के बाद रियल मैड्रिड पर मुख्य रूप से रेफरी के साथ दुर्व्यवहार के कारण उसके खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाये गये है। रियल मैड्रिड को सेल्टा विगो के साथ मैच के दौरान दूसरे हाफ में डिफेंडर फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास और फॉरवर्ड एंड्रिक को दिखाए गए रेड कार्ड के लिए भारी अनुशासनात्मक कीमत चुकानी पड़ी। गार्सिया पर स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) की अनुशासनात्मक कमेटी ने एक मैच का बैन लगाया है, जिसे वह इस वीकेंड डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ मैच में नहीं खेल सकेंगे। उन्हें दो येलो कार्ड मिलने के बाद मैच से बाहर कर दिया गया था। हालांकि, कैरेरास और एंड्रिक को दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है, कैरेरास को रेफरी क्विंटरो गोंजालेज को बाहर किए जाने के बाद 'एरेस मालिसिमो' (तुम बहुत बुरे हो) कहने के लिए सजा दी गई है। मैदान पर नहीं उतरने वाले एंड्रिक को भी रेड कार्ड दिखाया गया और 'बेंच से उठकर टेक्निकल एरिया से बाहर जाने, चौथे रेफरी पर चिल्लाने और टेक्निकल स्टाफ के सदस्यों द्वारा रोके जाने की जरूरत पड़ने' के लिए दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया। घुटने की सर्जरी के बाद फिलहाल बाहर चल रहे डैनी कार्वाजल को भी मैच के बाद ड्रेसिंग रूम के टनल में रेफरी का अपमान करने के लिए दो।

जूनियर विश्व कप हॉकी : भारत का दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन, 9 साल बाद जीता पदक

एजेंसी

चेन्नई : दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया। निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे') और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शरदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला।

एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी। भारत को पहले क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था। वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा। दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सकर्ल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी

की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था।

मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के अंत में सैंटियागो फर्नांडीज (44वें) मिनट में किये गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। मेजबान टीम अपने पहले गोल की तलाश में आगे बढ़ती रही और लगभग दस मिनट शेष रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में सफल रही। अनमोल एक्का के शानदार ड्रैगफ्लिक की मदद से अंकित पाल ने (49वें) मिनट अर्जेंटीना के गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल किया, जिससे भारत ने एक गोल की बराबरी कर ली। मोमेंटम अपने पक्ष में होने के कारण, भारत ने दो मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर पर इसी तरह का मूव किया, जिसमें मनमीत सिंह ने (52वें) मिनट अनमोल एक्का के सेटअप का फायदा उठाते हुए भारत को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद भारत को एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला और शारदानंद तिवारी ने (57वें) मिनट में कोई गलती नहीं की और मैच खत्म होने में तीन मिनट से भी कम समय बचा था, तब भारत को बढ़त दिला दी। अपने तीसरे गोल की तलाश में, अर्जेंटीना ने बिना गोलकीपर के खेलने का फैसला किया। उन्हें एक पेनल्टी कॉर्नर से मौका मिला, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसे विफल कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल से जीत पक्की कर ली।

रुपया सात पैसे टूटा

एजेंसी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के भारतीय बाजार से पूंजी निकालने से पया सात पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.9450 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 17.50 पैसे की मजबूती के साथ 89.8750 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज 12.50 पैसे की नरमी के साथ 90 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में यह ऊपर 89.76 रुपये और नीचे 90.10 रुपये प्रति डॉलर तक गया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों में आज भारतीय पूंजी बाजार में शुद्ध रूप से बिकवाली की। इससे रुपये पर दबाव रहा। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में नरमी से रुपये को समर्थन मिला और उसकी गिरावट सीमित रही।

लगातार तीसरे दिन लुढ़के शेयर बाजार

मुंबई। रुपये में गिरावट से घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 275.01 अंक (0.32 प्रतिशत) टूटकर 84,391.27 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 81.65 अंक यानी 0.32 प्रतिशत उतरकर 25,758 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का 11 नवंबर के बाद का निचला स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा बिकवाली देखी गयी। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.12 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.90 प्रतिशत गिरा। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, आईटी, बैंकिंग और वित्त क्षेत्र की कंपनियों में ज्यादा गिरावट रही। मीडिया, धातु, फार्मा और तेल एवं गैस सेक्टरों में तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल का शेयर लगभग तीन फीसदी की गिरावट में बंद हुआ। ट्रेंट का शेयर डेढ़ प्रतिशत और भारती एयरटेल का एक प्रतिशत से अधिक टूट गया। इंफोसिस में भी लगभग एक प्रतिशत की तेजी रही।

अमेरिकी फेड की तीसरी दर कटौती, 2026 में आरबीआई के 5फसदी रेपो रेट पर स्थिर रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने वर्ष के अंत में अपनी तीसरी लगातार ब्याज दर कटौती की घोषणा की है। फेड ने फेडरल फंड्स रेट को घटाकर 3.50फीसदी से 3.75फीसदी की सीमा में ला दिया है। वर्ष 2025 में कुल मिलाकर 75 आधार अंकों की कटौती की जा चुकी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी श्रम बाजार के संकेतक लगातार कमजोर बने हुए हैं और सरकार के शटडाउन के कारण नई आर्थिक सूचनाओं का प्रवाह बाधित हो गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री दिपानविता मजूमदार ने कहा है कि मौजूदा वैश्विक रुझानों और घरेलू स्थिति को देखते हुए भारत का रेपो रेट कैलेंडर वर्ष 2026 में 5फीसदी के स्तर पर स्थिर रहने की संभावना है।

भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दरों में अंतर है नियंत्रित

फेड की यह नीति वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों पर महत्वपूर्ण असर डालेगी, और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को अपने मौद्रिक फैसलों में इससे जुड़े बदलावों को ध्यान में रखना होगा। मजूमदार ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दरों में अंतर काफी हद तक नियंत्रित रहा है। इसका कारण अमेरिका की तुलना में आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में अधिक तेजी से की गई कटौती है। ब्याज उपज में अंतर ने भी नीतिगत दरों में अंतर के समान ही रुझान दिखाया है। इससे शुरुआती महीनों में विदेशी निवेशकों (एफपीआई) के प्रवाह को समर्थन मिला।

रुपये में गिरावट का खतरा; हेजिंग घटने से भारतीय कंपनियों की रेटिंग पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने बताया है कि अगर भारतीय कंपनियां अपनी विदेशी मुद्रा देनदारियों को ठीक से कवर नहीं करतीं, तो उनके लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। इसमें कहा गया है कि उनकी क्रेडिट रेटिंग पर दबाव बढ़ सकता है विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां रुपये की कमजोरी का सीधा असर पड़ता है।

यह क्षेत्र हैं अधिक संवेदनशील

फिच ने कहा कि नवीकरण ऊर्जा, पावर यूटिलिटी और टोल रोड जैसे क्षेत्रों में प्राकृतिक हेज कम होने के कारण कंपनियां रुपये में तेज गिरावट के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। हालांकि इन क्षेत्रों में प्राकृतिक हेज यानी विदेशी मुद्रा में पर्याप्त कमाई नहीं होती, इसलिए जोखिम ज्यादा है। फिच ने बताया कि हालांकि इन कंपनियों में से कई अपने विदेशी मुद्रा ऋण का बड़ा हिस्सा हेज करती हैं, लेकिन जहां हेजिंग केवल आंशिक है, वहां खतरा और बढ़ जाता है। अगर रुपया अगले 6 से 12 महीनों में 10फीसदी से ज्यादा कमजोर होता है, तो ऐसी कंपनियों की हेजिंग लागत बढ़ सकती है और उनकी कर्ज चुकाने की क्षमता पर असर पड़ सकता है।

सरकार ने अब तक दो लाख से अधिक फर्मों को स्टार्टअप के रूप में दी मान्यता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अबतक दो लाख से अधिक फर्मों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी। इससे देशभर में 21 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए है। मोदी सरकार के 2016 में शुरू की गई स्टार्टअप इंडिया पहल ने देशभर में स्टार्टअप इकोसिस्टम के सतत विकास के लिए एक मजबूत नींव रखी है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, ''आज की तारीख तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कुल 2,01,335 स्टार्टअप को मान्यता दी है। इन स्टार्टअप ने देशभर में 21 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए हैं।'' 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के तहत मान्यता प्राप्त फर्म आयकर छूट जैसे प्रोत्साहनों का लाभ उठाने के लिए पात्र हो जाती हैं। नारी शक्ति की

भावना के अनुरूप भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य के परिवर्तन में महिला उद्यमियों का अहम योगदान रहा है। भारत में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप उद्यमों में से 48 फीसदी से अधिक में कम से कम एक महिला निदेशक हैं। मंत्रालय ने बताया कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 14 क्षेत्रों में जून 2025 तक 1.88 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वास्तविक निवेश हासिल किया जा चुका है। पीएलआई योजनाओं के तहत 7.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात भी हुआ है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पाद और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। डिजिटल वाणिज्य के लिए खुले नेटवर्क की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा गया कि सरकारी ई-कॉमर्स मंच ओएनडीसी ने अक्टूबर 2025 तक 32.6 करोड़ से अधिक ऑर्डर पूरे किए हैं। कारोबारी सुगमता पर मंत्रालय ने कहा कि नवंबर, 2025 तक 47,000 से अधिक अनुपालन नियमों को हटाया जा चुका है। इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 18 अगस्त 2025 को जन-विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक 2025 को लोकसभा में पेश किया गया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट का आईपीओ 12 दिसंबर को खुलेगा

एजेंसी

अहमदाबाद। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के इक्विटी शेयरों का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 12 दिसंबर को खुलेगा और 16 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी की ओर से यहाँ जारी बयान में कहा इसका प्राइस बैंड 2,061 से 2,165 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। फ्लोर प्राइस इक्विटी शेयर्स के फेस वैल्यू का 2,061 गुना और कैप प्राइस इक्विटी शेयर्स के फेस वैल्यू का 2,165 गुना है। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल होगा। जिसमें प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन अपनी हिस्सेदारी का 9.9 प्रतिशत हिस्सा बेच रही है। बिड/ऑफर 12 दिसंबर को खुलेगा और मंगलवार, 16 दिसंबर को बंद होगा। एंकर इन्वेस्टर बिडिंग तारीख 11 दिसंबर होगी। न्यूनतम बिड लॉट छह इक्विटी शेयर्स का है और उसके बाद छह इक्विटी शेयर्स के मल्टीपल में बिड की जा सकती है। यह ऑफर कंपनी के एक प्रमोटर, यानी प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा ऑफर फॉर सेल के जरिए अधिकतम 48,972,994 इक्विटी शेयर्स तक का है। पूरा आईपीओ ऑफर फॉर सेल (ओपीएस) है। इस ओएफएस के तहत 4.89 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। ये सभी शेयर ब्रिटेन स्थित कंपनी प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स बेच रही है, जो आईसीआईसी आई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की जॉइंट वेंचर पार्टनर भी है।

मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने कहा, सिम बाइंडिग से निजता को खतरा नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के संगठन सीओएआई ने सिम बाइंडिंग के सरकार के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि लोगों में यह गलत अवधारणा फैलायी जा रही है कि इससे निजता और गोपनीयता का उल्लंघन होगा।

सरकार ने देश में सेवा देने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के लिए सिम बाइंडिंग अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है, यानी कि जिस नंबर पर सोशल मीडिया ऐप सक्रिय किया गया है उस सिम के मोबाइल में रहने तक ही वह ऐप लॉग इन रह सकेगा। सीओएआई ने कहा कि यूपीआई और भुगतान ऐप के लिए देश में पहले से ही सिम बाइंडिग लागू है। उसने कहा है कि विदेशों में जाने पर यूजर वाई-फाई या स्थानीय सिम के डाटा का इस्तेमाल करते हुए भी तब तक ऐप का इस्तेमाल जार रख सकेगा जब तक सेकेंड्री स्लॉट में ऐप से जुड़ा भारतीय सिम है। उसने कहा कि विदेशों में बैठे डिजिटल ठगों से लोगों को बचाने के लिए सिम बाइंडिग जरूरी है।संगठन के प्रेस नोट में एक निश्चित समय के बाद लॉगआउट के नियम के बारे में कहा गया है कि बैंकिंग पोर्टल, डिजी लॉकर, आधार और वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क सेशन समाप्त करने के इससे भी कड़े मानक अपनाते हैं। निजता के उल्लंघन के बारे में प्रेस नोट में कहा गया है कि सिम बाइंडिंग के लिए किसी अतिरिक्त डाटा संग्रह की जरूरत नहीं होती है। साथ ही इससे मैसेजिंग आदि पर कोई असर नहीं होता है।

इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट रोजाना शुरू करेगी अतिरिक्त 100 उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो के हालिया संकट के बीच घरेलू एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने इस शीतकालीन सत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने की घोषणा की है। स्पाइसजेट ने कहा कि वह 100 अतिरिक्त दैनिक उड़ानें शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि मौजूदा विमानन क्षमता की कमी को दूर किया जा सके। कंपनी ने बताया कि रेगुलेटरी से मंजूरी मिलने के बाद यह सेवा शुरू हो जाएगी।

स्पाइसजेट ने जारी एक बयान में कहा कि प्रमुख रूटों पर हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है, इसलिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की तैयारी की जा रही हैं। इंडिगो में चल रही परिचालन बाधाओं के बीच यह कदम एयरलाइन उद्योग में क्षमता संतुलित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इंडिगो इस समय संकट के दौर से गुजर रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देर शाम एक उच?चस?तरीय बैठक के दौरान इंडिगो एयरलाइन की 10 फीसदी फ्लाइट्स में कटौती का निर्देश जारी किया था। स्पाइसजेट पिछले दो महीनों में 17 एयरक्राफ्ट को अपने ऑपरेशन में शामिल कर चुकी है। इनमें डैम्प-लीज्ड एयरक्राफ्ट और वे विमान हैं, जो पहले सेवाओं से बाहर थे। ये फिर से उड़ान में शामिल हो गए हैं। इससे एयरलाइन के पास ज्यादा उड़ानें भरने की क्षमता में इजाफा हुआ है। इसके अलावा पिछले महीने स्पाइसजेट ने अपने बेड़े में पांच और बोइंग 737 एयरक्राफ्ट शामिल किए, जिसमें एक बोइंग 737 MAX भी शामिल है। इस तरह एक महीने में कंपनी ने बेड़े में कुल 15 प्लेन शामिल किए हैं।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) की मॉनेटरी पॉलिसी का ऐलान होने के पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। इस उतार-चढ़ाव का असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी साफ-साफ नजर आ रहा है। सर्राफा बाजार में सोना आज लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट का शिकार हो गया। चांदी की कीमत में लगातार दूसरे दिन इजाफा हो गया। चेन्नई सर्राफा बाजार में आज सोना सबसे ऊंचे भाव पर बना हुआ है।

सर्राफा बाजार में आज की गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,29,430 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,18,640 रुपये से लेकर 1,19,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसके अलावा 18 कैरेट सोना 97,070 रुपये से लेकर 99,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,29,580 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,18,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,18,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,29,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,18,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,29,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,18,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,18,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,29,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,29,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सस्ता और तेज डिलीवरी का लालच, छोटे दुकानदारों को खा रही ऑनलाइन कंपनियां

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने ग्राहकों को तेज डिलीवरी और सस्ते दाम के लालच में डाल दिया है, जिससे छोटे दुकानदारों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया है। भारत में ई-कॉमर्स (ऑनलाइन शॉपिंग) और क्विक-कॉमर्स (जल्दी-जल्दी सामान पहुंचाने वाली कंपनियां) के तेजी से बढ़ने के कारण हजारों स्थानीय किराना दुकानदारों की आय में बड़ी गिरावट आ रही है। यह बयान फेडरेशन ऑफ रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआरएआई) की ओर से दिया गया। एफआरएआई देशभर के तकरीबन 80 लाख छोटे, मझले और माइक्रो रिटेलर्स का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें 42 रिटेल एसोसिएशंस की सदस्य है। इसने सरकार से अपील की है कि छोटे दुकानदारों के लिए मजबूत मदद की जरूरत है, क्योंकि वे ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स की वजह से मुश्किल में हैं। एफआरएआई ने बाजार पर किए गए अध्ययनों का हवाला देते हुए बताया कि पिछले साल 2 लाख से ज्यादा किराना दुकानें बंद हो गईं, क्योंकि लोग अब ब्लिंकिट और जेप्टो जैसे ऐप्स से सामान मंगवाना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में 60 प्रतिशत किराना दुकानों की बिक्री में गिरावट आई है, क्योंकि क्विक-कॉमर्स कंपनियों के डार्क स्टोर्स तेजी से बढ़ रहे हैं।

निफ्टी-50 सूचकांक दिसंबर 2026 तक पहुंच सकता है 29 हजार के पारः कोटक सिक्योरिटीज

एजेंसी

बेंगलुरु। ब्रोकरेज फर्म कोटक सिक्योरिटीज ने कहा है कि दिसंबर 2026 तक निफ्टी-50 सूचकांक 29 हजार अंक के पार पहुंच सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के जारी बाजार परिदृश्य 2026 में कहा गया है कि सामान्य परिस्थितियों में बिना बड़े उथल-पुथल के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक अगले साल दिसंबर तक 29 हजार अंक के पार 29,120 अंक तक पहुंच जायेगा। यदि परिस्थितियां बहुत अधिक अनुकूल रहती हैं तो निफ्टी-50 वित्त वर्ष 2027-28 तक 32,032 अंक तक भी चढ़ सकता है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा है कि वित्त वर्ष 2026-27 में निफ्टी में 17.6 प्रतिशत और 2027-28 में 14.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। वहीं, परिस्थितियों के प्रतिकूल रहने की स्थिति में सूचकांक 26,208 अंक तक लुढ़क भी सकता है।

रिपोर्ट तैयार करते समय कंपनी ने कंपनियों के अच्छे परिणामों, घरेलू निवेश की मजबूती और कुछ सेक्टरों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखा है। उसने कहा है कि निफ्टी-50 की वृद्धि में बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और आतिथ्य जैसे सेक्टरों का सबसे अधिक योगदान होगा। कोटक सिक्योरिटीज ने कहा कि 2024 के उत्तरार्ध की 17 प्रतिशत की गिरावट से उबरते हुए 2025 के अंत तक नये उच्च स्तरों को छूने की बाजार की क्षमता घरेलू निवेशकों की भागीदारी की गहराई को दर्शाती है क्योंकि इस साल अधिकांशतः विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के शुद्ध बिकवाल बने रहने के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की गयी है। कीमती धातुओं के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि सोना और चांदी 2026 तक मजबूत रहने की संभावना है, जबकि कच्चे तेल में आपूर्ति पक्ष की कमजोरियों का असर जारी रह सकता है।

मेघालय बनी भारत की दूसरी सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था, सीएम संगमा; सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने शिलांग में 'त्रि हिल्स एन्सेम्बल' के चौथे संस्करण का उद्घाटन करते हुए राज्य की बड़ी आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डाला। सीएम संगमा ने घोषणा की कि आर्थिक विकास दर के मामले में मेघालय अब दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के बाद देश की दूसरी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तेज आर्थिक प्रगति के बावजूद, सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण विकास मॉडल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए।

इस वर्ष त्रि हिल्स एन्सेम्बल का विषय 'नदियां, जड़ें और पुनरुद्धार' ('Rivers, Roots and Revival') है, जो खोई हुई परंपराओं को फिर से खोजने को दर्शाता है। मुख्यमंत्री संगमा ने जनजातीय इतिहास, भाषाओं और रीति-रिवाजों के गहन दस्तावेजीकरण (Documentation) की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ढोल की कई अलग-अलग थापों और कदमों जैसे अमूल्य सांस्कृतिक ज्ञान का कोई लिखित दस्तावेज मौजूद नहीं है, जिसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना आवश्यक है। कला एवं संस्कृति मंत्री सैनबोर शुल्लाई ने कहा कि यह महोत्सव खासी, जयंतिया और गारो लोगों की चिरस्थायी विरासत का सम्मान करता है। मुख्यमंत्री संगमा ने स्कूलों को मेघालय के नायकों–तिरोट सिंग, कियांग नोंग्बाह और पा तोगन सांगमा–पर नाटक मंचित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इसका उद्देश्य युवाओं में गर्व और एकता की भावना पैदा करना है।

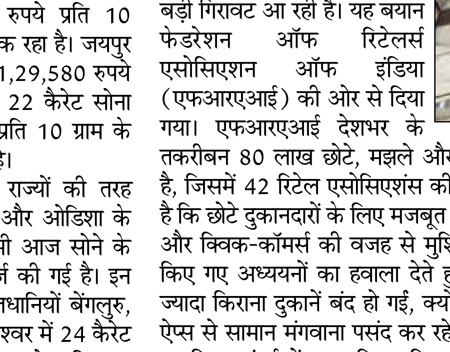

अकासा एयर के बेड़े में शामिल हुआ 31वां विमान

एजेंसी

नई दिल्ली। ..नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर के बेड़े में एक और बोइंग 737 मैक्स विमान शामिल हो गया है। एयरलाइन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नया बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान 10 दिसंबर को बेंगलुरु के केम्पेगोड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। इसके साथ उसके बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर 31 हो गयी है।

यह उसके बेड़े में शामिल होने वाला पहला विमान है जिसे अंदर से खास तौर अकासा के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें साफ्रां की जेड200 सीटें लगी हैं जो यात्रियों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करेंगी। अकासा एयर के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कहा कि बेड़े में 31वां विमान शामिल होना विश्व स्तरीय एयरलाइन बनने की उसकी यात्रा में एक और कदम है। तीन साल पहले शुरू अकासा एयर के बेड़े में वर्तमान 31 बोइंग 737 मैक्स विमान हैं। उसने 226 बोइंग 737 मैक्स विमानों के लिए पक्का ऑर्डर दिया है जिनमें शेष 195 विमान उसे अगले सात साल में मिलने वाले हैं।

भारत में लॉन्च हुई अनोखी बाइक, कीमत फॉर्च्यूनर से भी महंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में लग्जरी मोटरसाइकिलों के शौकीनों के लिए हार्ले-डेविडसन ने एक ऐसी बाइक पेश की है जिसे देखने भर से सड़क पर मौजूद हर नज़र ठहर जाती है। कंपनी ने अपनी हाई-एंड टूरिंग सीरीज़ की नई Harley-Davidson CVO Road Glide को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है, जिसकी कीमत 67.36 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। कीमत इतनी कि यह कई लग्जरी SUVs को भी पीछे छोड़ देती है। यही वजह है कि इसे सिर्फ बाइक नहीं, बल्कि हाईवे पर दौड़ती एक प्रीमियम लग्जरी मशीन माना जा रहा है। इस नई रोड ग्लाइड की पहली झलक ही यह बता देती है कि इसे खास तौर पर उन राइडर्स के लिए बनाया गया है जो सड़क पर अलग ही दबदबा चाहते हैं। इसका मस्कुलर और भारी-भरकम स्टांस इसे दूर से ही पहचान दिलाता है। देखने में यह बाइक किसी गैंडे की मजबूती और टाइगर की रफ्तार की तरह प्रभावशाली नजर आती है, जिससे इसकी उपस्थिति और भी दमदार हो जाती है। हार्ले ने इस मॉडल में नया और आकर्षक 'Sharknose' फेयरिंग दिया है, जो एयरोडायनामिक संरचना के साथ बाइक को एक आक्रामक पहचान देता है। बड़े फ्यूल टैंक, क्लासिक फेंडर्स और स्पेशल कस्टम-पेंट विकल्प इसे और भी प्रीमियम बनाते हैं। सड़क पर चलते समय इसकी बनावट और आकार इतने प्रभावशाली लगते हैं कि यह अपने आप ही सभी का ध्यान खींच लेती है। इस शानदार बाइक का असली दम इसके पावरट्रेन में छिपा है। इसमें हार्ले का नया Milwaukee-Eight VVT 121 इंजन दिया गया है, जो 115 bhp की ताकत और 189 Nm का जबरदस्त टॉर्क पैदा करता है। हाईवे पर यह इंजन पावर और स्मूदनेस का ऐसा मेल देता है, जैसा लंबी दूरी तय करने वाले राइडर्स हमेशा तलाशते हैं। यह मोटरसाइकिल राइडिंग को केवल तेज़ ही नहीं, बल्कि और भी बेहतरीन व नियंत्रित बनाती है। टेक्नोलॉजी के मामले में भी यह बाइक किसी आधुनिक मशीन से कम नहीं है। इसमें 12.3-इंच का फुल-कलर ञ्रस्नञ्ज डिस्प्ले और हार्ले की नई Skyline OS तकनीक दी गई है। इनफोटेनमेंट सिस्टम, मोबाइल कनेक्टिविटी, नेविगेशन और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम इसे एक रोलिंग लग्जरी सूट जैसा एहसास देते हैं। इसके अलावा राइडिंग मोड्स और उन्नत सुरक्षा तकनीकें इसे हाईवे राइडिंग का एक बेहतरीन अनुभव बनाती हैं।

बाइक प्रेमियों के लिए यह मॉडल सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रीमियम क्रूजर है जो स्टाइल, ताकत और तकनीक का शानदार संगम पेश करती है। कीमत चाहे जितनी भी ऊंची हो, पर इसकी मौजूदगी और क्षमता इसे अपने सेगमेंट में एक अनोखा और शक्तिशाली विकल्प बनाती है।

कांगो में हैजा प्रकोप में बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित : यूनीसेफ

एजेंसी

कांगो। कांगो गणराज्य में इस वर्ष की शुरुआत से अब तक हैजे के कुल 64,427 मामले दर्ज किए गए हैं और इस बीमारी से 1,888 मौतें हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनीसेफ) ने एक बयान में बताया कि बच्चों में हैजे के 14,818 मामले पाये गये हैं और 340 की मौत हुयी है। यह कांगों के इतिहास में पिछले 25 वर्षों का सबसे बड़ा प्रकोप है। बयान में कहा गया है, ' इस बीमारी से बच्चों की शिक्षा प्रभावित हुयी है और सबसे दुखद बात यह है कि किंशासा के एक अनाथालय में रहने वाले 62 बच्चों में से 16 बच्चे इस बीमारी के कारण कुछ ही दिनों में मर गए। ' इस बीमारी ने कांगों के 26 राज्यों में से 17 को प्रभावित किया है जिनमें राजधानी किंशासा भी शामिल है। बयान में कहा गया है कि बच्चों में मामलों का राष्ट्रीय औसत करीब 23.4 प्रतिशत है। यूनीसेफ ने बताया कि गंदगी यहां एक बड़ी समस्या बनी हुई है। महज 43 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी जल सेवा उपलब्ध है, जो अफ्रीका में सबसे कम दर है। वहीं सिर्फ 15 प्रतिशत लोगों की पहुंच बुनियादी स्वच्छता तक है।

केन्या के ऐतिहासिक राम मंदिर में दीपावली, एमओएस कीर्ति वर्धन सिंह भी रहे मौजूद

नैरोबी । यूनेस्को ने दीपों के त्योहार दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल किया है। इस मौके पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने केन्या के ऐतिहासिक श्री राम मंदिर में आयोजित समारोह में भाग लिया। एमओएस सिंह ने गुरुवार (भारतीय समयानुसार) को एक्स पर पोस्ट किया, 'दीपावली को यूनेस्को द्वारा एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दिए जाने के मौके पर ऐतिहासिक श्री राम मंदिर में समारोह में भाग लेकर धन्य महसूस कर रहा हूं। केन्या में 1919 में बना प्रभु श्री राम का मंदिर, भारत के सांस्कृतिक गौरव और हमारे दोनों देशों के बीच साझा ऐतिहासिक संबंधों का सबूत है।' इसे भारतीय सांस्कृतिक विरासत के लिए गर्व का पल बताते हुए, एमओएस ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में, यह मील का पत्थर वास्तव में भारत की हमेशा रहने वाली परंपराओं और शांति और सद्भाव के सार्वभौमिक संदेश की वैश्विक सराहना को दर्शाता है। ' कीर्ति वर्धन सिंह 8-12 दिसंबर तक होने वाले यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट असेंबली (यूएनईए) के सातवें सम्मेलन में शामिल होने के लिए केन्या में हैं। इस बीच, एमओएस ने यूएनईए के सातवें सेशन के दौरान नॉर्वे के जलवायु और पर्यावरण मंत्री एंड्रियास बिजेलैंड एरिक्सन के साथ एक मीटिंग की। इस मीटिंग के दौरान एक साफ, हरे-भरे भविष्य के लिए भारत-नॉर्वे साझेदारी को मजबूत करने की उम्मीद जताई।

डेमोक्रेट्स ने उठाए ट्रंप की नीतियों पर सवाल, चेताया-ज्यादा टैरिफ से भारत को खो देगा अमेरिका

वॉशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से जुड़े फैसलों को लेकर डेमोक्रेट्स ने उन्हें चेताया है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ सिस्टम और नई दिल्ली के प्रति टकराव वाला रवैया सही नहीं है। यह अमेरिका के सबसे अहम साझेदारों में से एक को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकता है। हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी ऑन साउथ एंड सेंट्रल एशिया की यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप पर कांग्रेस की सुनवाई के दौरान डेमोक्रेटिक रैंकिंग मेंबर सिडनी कामलेगर-डोव ने ट्रंप पर दशकों की द्विदलीय प्रगति को खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाइडेन प्रशासन ने ट्रंप को एक अच्छा द्विपक्षीय संबंध सौंपा था। इसमें एक फिर से सक्रिय क्वाड, एक उभरती हुई रक्षा तकनीक साझेदारी और एक भरोसेमंद सप्लाई चेन पार्टनर का हवाला दिया गया था, लेकिन ट्रंप ने उसे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इतिहास ट्रंप को कड़ा सबक सिखा सकता है, जब तक वह अपना रास्ता नहीं बदलते। ऐसी सूरत में ट्रंप वह अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे, जिन्होंने भारत को खो दिया। डेमोक्रेट्स ने कहा, 'आप (ट्रंप) रणनीतिक साझेदारों को अपने दुश्मनों की गोद में धकेलकर नोबेल शांति पुरस्कार नहीं जीत सकते।

अमेरिका ने योग्य विदेशी युवाओं को नौकरी देने के लिए की 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' की घोषणा, इतना करना होगा खर्च

वाशिंगटन । अमेरिका में भारत समेत कई देशों के स्टूडेंट अब पढ़ाई पूरी करने के बाद देश छोड़ने पर मजबूर नहीं होना पड़ेगा। अमेरिकी कंपनियां यूनिवर्सिटीज के टॉप ग्रेजुएट्स को नौकरी पर रख सकेंगी। इसे आसान बनने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने एक नए 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' प्रोग्राम की घोषणा की, जो कंपनियों को अमेरिकी विश्व विद्यालयों के टॉप ग्रेजुएट्स को अपने पास रखने की अनुमति देगा। इस कार्यक्रम को विशेष रूप से अमेरिकी विश्वविद्यालयों से उच्च रैंकिंग के साथ स्नातक करने वाले विदेशी छात्रों (खासकर भारतीय छात्रों) को अमेरिका में ही रोकने के लिए तैयार किया गया है। ट्रंप ने कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा, 'आप अपने कॉलेज में नंबर वन आते हैं, लेकिन देश में रहने की कोई गारंटी नहीं। भारत, चीन, फ्रांस, सब देशों के छात्रों को वापस जाना पड़ता है। यह बहुत गलत है। यह नई व्यवस्था अमेरिकी कंपनियों को स्थिरता और निश्चितता देगी, खासतौर पर यह प्रोग्राम उन छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद रहेगा जो वैज्ञानिक, तकनीकी और इंजीनियरिंग में महारत रखते हैं।

पाकिस्तान में पंजाब का कोई विभाजन हो तो पहले विधानसभा में प्रस्ताव पास हो - बिलावल

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने पंजाब प्रांत को उत्तर, मध्य और दक्षिण पंजाब में बांटने के प्रस्ताव पर कहा कि प्रांत को बांटने की कोई भी कोशिश करने से पहले विधानसभा में प्रस्ताव पारित होने का इंतजार करे, उसके बाद ही आगे बढ जाए।

नए प्रांत बनाने के मुद्दे पर पूर्व विदेश मंत्री ने कहा, 'सीनेट की कमेटी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि दक्षिण पंजाब को प्रांत बनाया जाना चाहिए। पहले दक्षिण पंजाब को प्रांत बनाने पर आम राय कायम करें, फिर आगे बढ़ें।' उन्होंने यह भी कहा कि वे 'पंजाब को बांटने की कल्पना भी नहीं कर सकते' और उन्हें कोई संदेह नहीं है कि ऐसा कोई प्रस्ताव विधानसभा में पास ही नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'जिन प्रांतों को बनाने पर आम सहमति है, पहले उन्हें बनाओ, फिर और प्रांत बनाने की

बात करो। ' पंजाब में पीएमएल-एन सरकार द्वारा पारित एक अलोकप्रिय कानून पर परोक्ष रूप से टिप्पणी करते हुए श्री जरदारी ने कहा कि अगर पीपीपी भी सिंध में इसी तरह का कोई कानून लाती, तो जनता उसका विरोध करती। पंजाब में पीपीपी की राजनीतिक मौजूदगी को लगातार दुश्मनी का सामना करने का जिक्र करते हुए उन्होंने सरकार से कहा कि वह सिंध पर ध्यान दे, जहां अभी तक गवर्नर भी नियुक्त नहीं किया गया है।अपने पूर्व राजनीतिक सहयोगी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बारे में श्री जरदारी ने कहा कि वह पार्टी के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का सम्मान करते हैं तथा उनके साथ कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन वे उनके उस रवैये को स्वीकार नहीं कर सकते जो देश को राजनीतिक अस्थिरता की ओर ले जा रहा है। उन्होंने कहा, 'जो सूबा (खैबर पख्तूनख्वा) पीटीआई की जिम्मेदारी है, वहां उनकी सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। ' पंजाब में किसी भी मंत्रालय में रुचि न होने की बात दोहराते हुए श्री जरदारी ने पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की तारीफ की और कहा कि वह प्रांत में अच्छा काम कर रही हैं।

अमेरिका मनोवैज्ञानिक युद्ध का सहारा ले रहा है: वेनेजुएला

एजेंसी

काराकस। वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल पिंटो ने कहा है कि अमेरिकी सरकार अपने आर्थिक प्रतिबंधों की विफलता के बाद वेनेजुएला के खिलाफ 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' छेड़ रही है। श्री गिल ने वेनेजुएला की राजधानी काराकस में आयोजित 'पीपुल्स असेंबली फॉर पीस एंड सॉवरेन्टी ऑफ अवर अमेरिका (महाद्वीप)' कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान मंगलवार को कहा, 'अब वे (अमेरिका) मनोवैज्ञानिक युद्ध से लेकर सैन्य मनोवैज्ञानिक युद्ध का सहारा ले रहे हैं। ' विदेश मंत्री ने कहा कि अपनी नई रणनीति के तहत, वेनेजुएला और इस क्षेत्र के खिलाफ 'अभूतपूर्व मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ने के लिए अमेरिका आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और इन सबसे ऊपर मीडिया शक्ति का उपयोग कर रहा है।' श्री पिंटो ने कहा, 'हम हमारे क्षेत्र में हमारे गणराज्यों के इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण चुनौती का सामना कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि सभी महाद्वीपों के लगभग 50 देशों के 500 से अधिक प्रतिनिधि इस सभा में भाग ले रहे हैं।श्री पिंटो ने कहा कि वेनेजुएला की संप्रभुता और शांति के लिए राष्ट्रीय परिषद द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम अमेरिकी सैन्य खतरे, क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अपराध और मुनरो सिद्धांत जैसे प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका इस क्षेत्र में अपना 'प्रभुत्व जमाने' के मुनरो सिद्धांत का उपयोग कर रहा है। उल्लेखनीय है कि मुनरो सिद्धांत अमेरिका को अमेरिकियों के लिए सुरक्षित रखने की वकालत करता है। अमेरिका ने अगस्त के अंत से कैरिबियन सागर में एक महत्वपूर्ण सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है, जिसे वह मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के प्रयासों वर्णित करता है, हालांकि वेनेजुएला इसे अपने देश में सत्ता परिवर्तन की साजिश रचने की कोशिश के रूप में देख रहा है।

बांग्लादेश के वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन 6 घंटे बाद मुक्त, कर्मचारियों ने कार्यालय में बनाया था बंधक

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में बुधवार दोपहर कार्यालय में बंधक बनाए गए वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद को रात करीब 8 बजे पुलिस की मदद से बाहर निकला गया। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार डॉ. अहमद को उनके कार्यालय में ही बंधक बना लिया था। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है।ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक बांग्लादेश के प्रशासनिक हलकों में बुधवार दोपहर करीब 02 बजे उस समय हलचल मच गई जब विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद को सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में बंधक बना लिया। सचिवालय की चौथी मंजिल पर प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने सलाहकार के कार्यालय के बाहर नाकाबंदी कर दी थी। प्रदर्शनकारी सभी सरकारी कर्मचारियों को 20 प्रतिशत विशेष भत्ता दिए जाने की मांग कर रहे हैं। घटनाक्रम के करती वे पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों ने उनके कार्यालय की नाकेबंदी कर दी। आखिरकार रात करीब 8 बजे पुलिस की मदद से

मुताबिक प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने वित्त सलाहकार को उनके कार्यालय में गुरुवार तक मांगें पूरी किए जाने की बात कह कर वार्ता के लिए बुलाया। उनके कार्यालय पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारी तत्काल मांगें पूरी करने पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना था कि सरकार जबतक गजट अधिसूचना जारी नहीं उन्हें बाहर निकाला गया। कर्मचारियों का यह प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है जब अंतरिम सरकार के गठन के बाद कर्मचारियों में असंतोष तेजी से बढ़ रहा है। बांग्लादेशी अर्थशास्त्री सालेहुद्दीन अहमद अगस्त 2024 से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वित्त सलाहकार हैं। वे बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर भी हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति ने किया ट्रंप गोल्ड कार्ड लॉन्च, सरकारी खजाने में भारी बढ़ोतरी का दावा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रंप गोल्ड कार्ड के नाम से नया वीजा प्रोग्राम शुरू किया है।इसकी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि लोग इस गोल्ड कार्ड नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे। ट्रंप का दावा है कि नए वीजा प्रोग्राम से अमेरिकी खजाने में अरबों डॉलर की बढ़ोतरी होगी।

ट्रंप ने वॉइट हाउस के रूजवेल्ट रूम में बिजनेस लीडर्स की मौजूदगी में इस बहुप्रतीक्षित योजना की घोषणा की। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'अमेरिकी सरकार का ट्रंप गोल्ड कार्ड आज आ गया। सभी योग्य और वेरिफाइड लोगों के लिए नागरिकता का सीधा रास्ता।अमेरिकी कंपनियां अपनी प्रतिभाओं को अपने पास रख पाएंगी। लाइव साइट 30 मिनट में खुलेगी।' इस कार्ड को लॉन्च करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि यह ग्रीन कार्ड जैसा है लेकिन इससे फायदा कहीं ज्यादा है।इससे आने वाला अरबों डॉलर अमेरिकी सरकार के खजाने में जाएगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश में प्रतिभाशाली लोगों को लाने का मौका

देगा। 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर इच्छुक लोग आवेदन कर सकते हैं। ट्रंप गोल्ड कार्ड पाने के लिए व्यक्तिगत आवेदकों को 10 लाख डॉलर (1 मिलियन डॉलर) देना होगा। भारतीय करेंसी में इसका मूल्य करीब 9 करोड़ रुपये है। जबकि कंपनियों द्वारा प्रायोजित आवेदकों के लिए यह राशि 20 लाख डॉलर है, जिसकी भारतीय करेंसी में मूल्य करीब 18 करोड़ रुपये है। इसके साथ 15,000 डॉलर की नॉन-रिफंडेबल प्रोसेसिंग फीस भी देनी होगी।

यूनिसेफ ने सूडान में विस्थापित 50 लाख बच्चों के लिए तत्काल कार्रवाई की अपील की

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने सूडान में संघर्ष के कारण विस्थापित हुए लगभग 50 लाख बच्चों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। सूडान के दारफूर और कोर्डोफान क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में अकाल की स्थिति घोषित की जा चुकी है। यूनिसेफ का अनुमान है कि सूडान में कुल एक करोड़ लोग विस्थापित हो चुके हैं, जिनमें आधे यानी 50 लाख बच्चे हैं। यह दुनिया में बच्चों के विस्थापन का सबसे ऊंचा स्तर है। एजेंसी ने कहा कि घिरे हुए और पहुंच से दूर इलाकों, खासकर दार्फूर और कोर्डोफान में फंसे बच्चे सबसे ज्यादा जोखिम में हैं, क्योंकि वहां भोजन, साफ पानी और दवाइयों की आपूर्ति लगभग पूरी तरह बंद हो चुकी है। नए-नए विस्थापित होकर आने वाले बच्चे थके-हारे, निर्जलीकरण की स्थिति में और तत्काल सुरक्षा, पोषण तथा चिकित्सा सहायता की जरूरत में पहुंच रहे हैं।इस समय सूडान के दौरे पर गयीं यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने कहा, 'सूडान के बच्चे लगातार हिंसा, भूख और डर के बीच जी रहे हैं।' 'महिलाएं और लड़कियां इस संकट का सबसे ज्यादा बोझ उठा रही हैं, जिसमें यौन हिंसा के भयानक स्तर शामिल हैं। उन्हें सुरक्षा, सेवाओं और वैश्विक एकजुटता की जरूरत है।' द्वसुश्री रसेल ने कसाला में रुककर एक यूनिसेफ-सहायता प्राप्त केंद्र में मनो-सामाजिक सहायता और कौशल प्रशिक्षण ले रही महिलाओं एवं किशोरियों से मुलाकात की। ये ज्यादातर महिलाएं हिंसा से भागकर आई थीं और केंद्र में उन्हें देखभाल एवं सुरक्षा मिली। लेकिन दार्फूर और कोर्डोफान में जारी असुरक्षा के कारण ऐसी सेवाएं बेहद सीमित हैं। उत्तरी दार्फूर में अल-फाशेर और उसके आसपास हो रही लड़ाई के कारण अक्टूबर अंत से अब तक 1 लाख 6 हजार से ज्यादा लोग भागने को मजबूर हुए हैं। स्वागत केंद्र पूरी तरह भर गए हैं और तविला जैसे इलाके अब विशाल अनौपचारिक बस्तियों में बदल चुके हैं। सुरक्षा स्थिति के बावजूद यूनिसेफ लगातार सहायता पहुंचाने की कोशिश कर रहा है लेकिन असुरक्षा के कारण मानवीय कार्य बाधित हो रहे हैं। दार्फूर और कोर्डोफान के कुछ हिस्सों में अकाल की पुष्टि हो चुकी है और यह आगे फैलने का खतरा है। संघर्ष क्षेत्रों से भाग रहे परिवारों को खतरनाक रास्तों से गुजरना पड़ रहा है और सुरक्षित इलाकों में पहुंचते ही वे गहरे सदमे में होते हैं। अग्रिम मोर्चे वाले क्षेत्रों में बच्चों को मनो-सामाजिक देखभाल, लिंग-आधारित हिंसा से बचे लोगों के लिए सहायता और अन्य बुनियादी सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं।यूनिसेफ के हालिया प्रयासों में अकेले और परिवार से बिछड़े बच्चों की पहचान और पंजीकरण, जिससे उत्तरी दार्फूर में 200 से अधिक बच्चों का अपने परिवारों से पुनर्मिलन हो सका। लिंग-आधारित हिंसा पीड़ितों को मनो-सामाजिक देखभाल, रेफरल और नकद सहायता प्रदान करना और उच्च जोखिम वाले स्थानों में हजारों बच्चों तथा देखभाल करने वालों को मनोवैज्ञानिक सहायता देना शामिल है। एजेंसी के प्रयासों में लाखों लोगों के लिए सुरक्षित पानी की उपलब्धता बहाल करना, मोबाइल क्लिनिक और साझेदार सुविधाओं के जरिए स्वास्थ्य-पोषण सेवाएं देना तथा हैजा जैसे रोगों के प्रकोप का मुकाबला करने के लिए जरूरी साधन मुहैया कराना शामिल हैं।

भारत पर टैरिफ से अमेरिकी नेता भड़के: ट्रंप को चेतावनी- गलत नीतियों से भारत दूर जा सकता है, चीन-रूस को मिलेगा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका ने कई देशों पर भारी टैरिफ (कर) लगाए हैं, जिसमें भारत भी शामिल है। इस टैरिफ के कारण दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। इस बीच, अमेरिकी नेता, विशेषकर डोनाल्ड ट्रंप के विरोधी, भारत पर लगाए गए टैरिफ को लेकर नाराज हैं। सांसद प्रमिला जयपाल ने कहा कि ये टैरिफ भारत और अमेरिका-दोनों के लिए नुकसानदायक हैं, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ अमेरिकी व्यवसायों और उपभोक्ताओं को भी परेशानी हो रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद सिडनी कामगार-डोव ने टैरिफ का विरोध करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों ने भारत-अमेरिका संबंधों को कमजोर कर दिया है। उन्होंने 50फीसदी शुल्क लगाने और रूस से तेल आयात पर

25फीसदी टैरिफ को गलत बताया। कामगार-डोव ने H-vB वीजा पर .100,000 की भारी फीस का भी विरोध किया, जिससे भारतीय पेशेवरों पर बड़ा असर पड़ेगा, जिन्होंने अमेरिका को कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। सांसद सिडनी कामगार-डोव ने राष्ट्रपति ट्रंप को चेतावनी दी कि उनकी गलत नीतियां भारत जैसे भरोसेमंद साझेदार को दूर कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर इसका सीधा फायदा चीन और रूस जैसे देशों को मिल सकता है, जिससे अमेरिका की रणनीतिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

मियामी मेयर चुनाव में लगभग 30 साल बाद पहली बार डेमोक्रेट उम्मीदवार की जीत

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मियामी के मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार आइलीन हिगिंस ने जीत हासिल की है और यह लगभग तीन दशक में पहली बार है जब इस पद पर कोई डेमोक्रेट प्रत्याशी चुना गया है। अमेरिकी मीडिया के शुरुआती नतीजों और अनुमानों के अनुसार यह जानकारी सामने आयी है।

मियामी की डेड काउंटी कमिश्नर रहीं सुश्री हिगिंस ने 59 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि रिपब्लिकन उम्मीदवार एमिलियो गोंजालेज-को 41 प्रतिशत वोट मिले। गोंजालेज एक व्यवसायी और पूर्व सिटी मैनेजर हैं तथा जिन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। सुश्री हिगिंस मियामी की पहली महिला मेयर बनेंगी और 1990 के दशक के बाद पहली गैर-हिस्पैनिक

मेयर भी होंगी।

सुश्री हिगिंस ने अपने बयान में कहा, 'आज रात मियामी के लोगों ने इतिहास रचा। हमने साथ मिलकर अराजकता और भ्रष्टाचार के वर्षों का पन्ना पलट दिया और शहर के लिए एक नए युग का द्वार खोला। ऐसा युग जो नैतिक, जवाबदेह नेतृत्व और लोगों के लिए वास्तविक परिणाम देने वाला हो। '

श्री गोंजालेज के चुनाव अभियान ने नतीजों के बाद हार स्वीकार कर ली। चुनाव प्रचार के दौरान दोनों उम्मीदवारों ने आव्रजन, आवास, आर्थिक विकास और मियामी को जिस तरह के नेतृत्व की जरूरत है, जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया था।

लगभग पांच लाख की आबादी वाला मियामी फ्लोरिडा का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। पिछले कुछ चुनाव चक्रों में यह शहर भी राज्य की तरह अधिक रिपब्लिकन की ओर झुकता दिखाई दिया था।सुश्री हिगिंस की जीत मियामी के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव का संकेत देती है और 2026 के मध्यावधि चुनावों से पहले डेमोक्रेट्स को एक और बड़ी बढ़त प्रदान करती है।

म्यांमार की सेना का कत्लेआम: राखाइन प्रांत के अस्पताल पर एयर-स्ट्राइक में 30 की मौत, विद्रोही समूह अराकन आर्मी पर संदेह

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यांमार में जारी गृहयुद्ध के बीच, 10 दिसंबर की रात राखाइन प्रांत के एक अस्पताल में हुए एयर-स्ट्राइक में 30 लोगों की मौत हो गई और लगभग 70 लोग घायल हुए हैं। माना जा रहा है कि इस अस्पताल में विद्रोही समूह अराकन आर्मी के लड़ाके इलाज या छिपने के लिए मौजूद थे। म्यांमार सेना या सरकार ने अभी तक इस हमले पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।म्यांमार का गृहयुद्ध 1 फरवरी 2021 को सेना द्वारा लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को सत्ता से हटाने के बाद शुरू हुआ। इसके विरोध में नागरिकों ने पीपुल्स डिफेंस फोर्स (PDF) का गठन किया, जो सेना के खिलाफ लड़ रहे जातीय सशस्त्र समूहों के साथ मिलकर काम कर रहा है। विद्रोही समूहों ने 2024 तक म्यांमार के लगभग 40-50फीसदी इलाकों पर कब्जा कर

लिया था, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में। सैन्य कार्रवाई में अब आम नागरिक भी निशाने पर रहे हैं। सितंबर 2025 में राखाइन स्टेट के एक स्कूल पर हमला हुआ, जिसमें 22 छात्र मारे गए थे। अक्टूबर 2025 में चाउंग-यू टाउनशिप में बौद्ध उत्सव पर हमला हुआ, जिसमें 32-40 लोग मारे गए। इन घटनाओं के बीच, चीन ने म्यांमार सेना को सैन्य सहायता दी है, जिससे विद्रोहियों को झटका लगा है।

डोक्डो जापान का नहीं,दक्षिण कोरिया का हिस्सा है : दक्षिण कोरियाई अधिकारी

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के दावे को खारिज करते हुए मंगलवार को फिर से दोहराया कि देश के पूर्व में स्थित द्वीप समूह डोक्डो स्पष्ट रूप से दक्षिण कोरियाई क्षेत्र है। दक्षिण कोरिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जापानी प्रधानमंत्री द्वारा संसद सत्र के दौरान की गई टिप्पणी को खारिज करते हुए जोर दिया है कि डोक्डो को लेकर कोई क्षेत्रीय विवाद मौजूद नहीं है। अधिकारी ने कहा, 'ऐतिहासिक रूप से, भौगोलिक रूप से और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, डोक्डो कोरियाई क्षेत्र का एक अविभाज्य हिस्सा है। हम डोक्डो पर जापान के अनुचित दावों का कड़ाई और दृढ़ता से जवाब देंगे। 'सुश्री ताकाइची ने आयोजित जापानी प्रतिनिधि सभा की बजट समिति की बैठक के दौरान सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के एक सांसद के दावे पर यह बात कही थी कि इन द्वीपों (जापान में ताकेशिमा) पर दक्षिण कोरिया का 'अवैध कब्जा' है। जापानी अखबार चोसुन डेली की रिपोर्ट के अनुसार, सुश्री ताकाइची ने तर्क दिया कि ये द्वीप जापान के 'क्षेत्र' हैं। प्रधानमंत्री ने यही भी कहा कि उनकी सरकार देश और विदेश दोनों में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए काम करेगी। दक्षिण कोरियाई संवाद समिति योनहाप के अनुसार, जून में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे-म्युंग के पदभार संभालने के बाद जापान के के प्रति दक्षिण कोरिया की यह पहली मज़बूत प्रतिक्रिया थी।

यूक्रेन में सभी लक्ष्य हासिल करने तक रूसी सैन्य अभियान जारी रहेगा: राष्ट्रपति पुतिन

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध के बारे में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि रूसी सेना सभी लक्ष्यों के हासिल होने तक यूक्रेन में अपना विशेष सैन्य अभियान जारी रखेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह विवाद 2022 में रूस के सैन्य आक्रमण शुरू करने से बहुत पहले ही शुरू हो गया था।श्री पुतिन ने राष्ट्रपति मानवाधिकार परिषद की बैठक में वीडियो लिंक के जरिये दोहराया 'विशेष सैन्य अभियान' के घोषित उद्देश्य अपरिवर्तित हैं जिसमें स्व-घोषित डोनेट्स्क और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक के निवासियों की सुरक्षा और यूक्रेन से नाजीवाद का उन्मूलन और उसका विसैन्यीकरण शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हम निश्चित रूप से इस विशेष सैन्य अभियान के लक्ष्यों की प्राप्ति तक इसे अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाएंगे। ' राष्ट्रपति पुतिन ने एक बार फिर दावा किया कि संघर्ष की जड़ें मैदान क्षेत्र में हुये विद्रोह के बाद यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में सशस्त्र बलों को तैनात करने के फैसले में निहित हैं।

उन्होंने इस क्षेत्र को 'ऐतिहासिक रूप से रूसी' बताते हुए कहा कि रूसी सेना हस्तक्षेप करने के लिए विवश थीं। उन्होंने कहा, 'यह लोगों के बारे में है ,जिन्होंने 2014 में यूक्रेन में हुए तख्तापलट को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था और उनके खिलाफ तोपखाने, भारी हथियारों, टैंकों और विमानों के साथ युद्ध शुरू हो गया। तभी युद्ध की शुरुआत हुई। हम इसे समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं और हमें ऐसा करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करने को मजबूर होना पड़ा है। ' रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राजनयिक कोशिशों का भी स्वागत किया, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 28 सूत्रीय शांति प्रस्ताव भी शामिल है। रूस ने इसे वार्ता के लिए एक संभावित आधार बताया है।इससे पहले आठ दिसंबर को श्री ट्रम्प ने सार्वजनिक रूप से यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की पर अमेरिका के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए दबाव डाला था। उन्होंने यह सुझाव भी दिया था कि यूक्रेन ने इसकी पूरी तरह से पड़ताल नहीं की है। गौरतलब है कि रूस ने बार-बार यूक्रेन पर आरोप लगाया कि वह यूरोप के देशों के आग्रह की वजह से वार्ता में देरी कर रहा है। हालांकि रूस बातचीत के जरिये समझौता करना चाहता है, लेकिन अपने सभी उद्देश्यों के पूरा होने तक वह आगे बढ़ता रहेगा।

रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राजनयिक कोशिशों का भी स्वागत किया, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 28 सूत्रीय शांति प्रस्ताव भी शामिल है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/12/2025 12:18 AM Page 2

बरसीम की खेती से सम्बंधित जानकारी

बरसीम की फसल को पशुओ के लिए हरे चारे के रूप में उगाया जाता है । पशुओ के लिए बरसीम एक पौष्टिक आहार होता है । बरसीम के पौधों में शुष्क प्रदार्थ की पाचन शीलता ा0त्र तक होती है, तथा इसमें 21% तक प्रोटीन की मात्रा भी पाई जाती है । जिस वजह से बरसीम का सेवन करने से पशु बिल्कुल स्वस्थ रहते है, और उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन की क्षमता में भी वृद्धि होती है । इसका पौधा देखने में मेथी की तरह होता है, जो भूमि से लगभग दो फ़ीट ऊंचाई तक होता है, जिसमे पीले और सफ़ेद रंग के फूल निकलते है ।

बरसीम को मुख्य तौर पर हरे चारे की आपूर्ति के लिए उगाया जाता है, किन्तु कुछ किसान भाई इसे पैदावार के लिए भी उगाते है, जिससे उन्हें आय भी प्राप्त होती है । यदि आप भी बरसीम की खेती कर अच्छी कमाई करना चाहते है, तो इस लेख में आपको बरसीम की खेती कैसे होती है तथा बरसीम की उन्नत किस्में कौन सी है, इससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है ।

बरसीम की खेती के लिए क्षारीय, बलुई दोमट मिट्टी की जरूरत होती है, इसे अम्लीय भूमि में नहीं उगाना चाहिए । इसकी खेती में मिट्टी का क्क॥. का मान । से 8 के मध्य होना चाहिए । समशीतोष्ण और शीतोष्ण जलवायु बरसीम की फसल के लिए उपयुक्त होती है । सामान्य तौर पर बरसीम को किसी भी मौसम में ऊगा सकते है, किन्तु ठंडियों के मौसम में इसकी खेती को करना काफी अच्छा माना जाता है, क्योकि सर्दियों के मौसम में इसके पौधे अच्छे से वृद्धि करते है।

इसके अतिरिक्त यदि आप इसकी फसल को गर्मियों के मौसम में उगाते है, तो गर्मियों के मौसम में पौध वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है । अधिक वर्षा भी इसकी फसल के लिए उपयुक्त नहीं होती है । बरसीम के पौधे अधिकतम 35 और न्यूनतम 10 डिग्री के तापमान को आसानी से सहन कर सकते है । वही इसके बीजो को अंकुरण के लिए 22 डिग्री तापमान की आवश्यकता होती है । इसकी फसल के लिए 22 से 25 डिग्री का तापमान अधिक उपयुक्त होता है ।

▶▶बरसीम के खेत की तैयारी और उर्वरक की मात्रा

बरसीम की फसल करने से पहले उसके खेत को तैयार कर ले । इसके लिए सबसे पहले मिट्टी पलटने वाले हल से खेत की जुताई करवा दे । जुताई के बाद खेत को कुछ समय के लिए ऐसे ही खुला छोड़ देना चाहिए । इसके बाद खेत में जैविक खाद के रूप में 10 से 12 गाड़ी पुरानी गोबर की खाद को डालकर कल्टीवेटर लगवाकर दो से तीन तिरछी जुताई कर देनी चाहिए । इससे खेत की मिट्टी में खाद अच्छी तरह से मिल जाएगी । इसके बाद खेत में रोटावेटर लगाकर चलवा दे, जिससे खेत में मौजूद ढेले टूट जायेंगे और मिट्टी भुरभुरी हो जाएगी । मिट्टी के भुरभुरा हो जाने के बाद खेत में पाटा लगाकर भूमि को समतल कर दे, जिससे खेत में जलभराव जैसी समस्या नहीं होगी ।

बरसीम के पौधों को उवर्रक की मात्रा उत्पादन के तरीके के हिसाब से दी जाती है । यदि आप बरसीम की फसल को पैदावार के लिए कर रहे तो आपको उवर्रक की न्यूनतम मात्रा की आवश्यकता होती है । यदि आप इसे हरे चारे के लिए ऊगा रहे है, तो इसकी फसल को उचित मात्रा में उवर्रक देना चाहिए । इसके लिए खेत की पहली जुताई में प्राकृतिक खाद के रूप में 12 से 15 गाड़ी पुरानी गोबर की खाद को दे, तथा रासायनिक उवर्रक के रूप में प्रति हेक्टेयर के खेत में 20 KG नाइट्रोजन, 60 KG फास्फोरस और 20 KG पोटाश की मात्रा को खेत में डालकर अच्छे से जुताई कर मिला देना चाहिए । इसके अतिरिक्त हरे चारे की फसल के लिए प्रत्येक कटाई के समय 20 KG यूरिया की मात्रा पौधों को दे ।

बरसीम की फसल में बीजो की मात्रा रोपाई की विधि पर निर्भर करती है, यदि इसके बीजो की रोपाई को सघन या छिड़काव विधि द्वारा कर रहे है, तो आपको बीजो की अधिक मात्रा की आवश्यकता होती है । इसके अलावा यदि रोपाई को सीडड्रिल विधि द्वारा किया जा रहा है, तो कम बीजो में ही रोपाई की जा सकती है । बीजो की रोपाई से पहले राइजोबियम कल्चर या कैप्टन की उचित मात्रा से उपचारित कर लेना चाहिए । छिड़काव विधि में बीजो को समतल खेत में छिड़क कर कल्टीवेटर के पीछे पाटा लगाकर दो से तीन बार हल्की जुताई कर दी जाती है । जिससे बीज मिट्टी में 4 से 5 छ्टरू गहराई में दब जाते है । इसके अतिरिक्त सीडड्रिल विधि द्वारा रोपाई करने के लिए किसान भाइयो को बीजो की रोपाई कतारों में करना होता है । इसके लिए 25 CM की दूरी रखते हुए कतारों को तैयार कर लेना चाहिए,जिसमे 5 CMकी दूरी में बीजो को लगाया जाता है । बरसीम के बीजो की रोपाई के लिए सर्दी का मौसम सबसे अच्छा माना जाता है, क्योकि इस मौसम में बरसीम की अच्छी फसल प्राप्त होती है । इसके लिए बीजो की रोपाई अक्टूबर से नवम्बर के मध्य में की जाती है । इसके अतिरिक्त बरसीम की कुछ ऐसी भी उन्नत किस्में है, जिन्हे अगेती पैदावार के लिए जून के महीने में भी उगाया जा रहा है ।

▶▶बरसीम के पौधों की सिंचाई

बरसीम के पौधों को अधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है । यदि इसके बीजो की रोपाई सूखी भूमि में की गई है, तो इसकी पहली सिंचाई को रोपाई को तुरंत बाद कर देना चाहिए । समतल भूमि में क्यारियों की सिंचाई को धीमें बहाव के साथ करना चाहिए, क्योकि तेज बहाव से सिंचाई करने पर क्यारियों के बीजो के बहकर एक जगह हो जाने का खतरा रहता है ।

यदि खेती दाना फसल के रूप में की गई है, तो इसके पौधों को कम सिंचाई की आवश्यकता होती है । गर्मियों के मौसम में इसके खेत में सप्ताह में एक बार सिंचाई करनी चाहिए, तथा सर्दियों के मौसम से 15 से 20 दिन में सिंचाई जरूर करे । यदि फसल हरे चारे के रूप में की गई है तो गर्मियों के मौसम में 5 दिन के अंतराल में सिंचाई करे ।

▶▶बरसीम की फसल में खरपतवार नियंत्रण

बरसीम की फसल में खरपतवार नियंत्रण प्राकृतिक और रसायनिक दोनों ही विधियों द्वारा की जाती है । रासायनिक विधि द्वारा खरपतवार नियंत्रण के लिए बीज रोपाई के पश्चात पौधों पर फ्लूक्लोरेलिन की उचित मात्रा का छिड़काव किया जाता है । प्राकृतिक विधि द्वारा खरपतवार पर नियंत्रण पाने के लिए निराई - गुड़ाई की जाती है । हरे चारे वाली फसल में खरपतवार नियंत्रण की जरूरत नहीं होती है, क्योकि इसकी कटाई कई बार होती है । पैदावार फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए दो से तीन गुड़ाई की आवश्यकता होती है । इसकी पहली गुड़ाई को बीज रोपाई के 25 दिन बाद कर दिया जाता है ।

▶▶ बरसीम के पौधों में लगने वाले रोग एवं उनकी रोकथाम

माहू कीट रोग

इस किस्म का रोग बरसीम की फसल पर जलवायु परिवर्तन के दौरान देखने को मिलता है । यह कीट पौधों की पत्तियों और तनो पर समूह बना कर आक्रमण करते है, और पत्तियों से उसका रस चूस कर उसे पूरी तरह से नष्ट कर देते है । इस रोग से बचाव के लिए बरसीम के पौधों पर मेथालियॉन या नीम के तेल का छिड़काव किया जाता है ।

▶▶तना गलन रोग

यह एक सामान्य रोग होता है, जो सभी पौधों में देखने को मिल जाता है । यह तना गलन रोग अक्सर ही जल-भराव की स्थिति में देखने को मिलता है । यह फफूंद के रूप में पौधों पर आक्रमण करता है, जिसके बाद पौधे की पत्तिया सूख जाती है, और पौधे की वृद्धि भी पूरी तरह से रुक जाती है । इस रोग से बचाव के लिए कुछ बातो को ध्यान में रखना चाहिए । खेत में जलभराव न होने दे, बीजो को उपचारित कर रोपाई करे, कार्बेन्डाजिम की उचित मात्रा का घोल बनाकर पौधों की जड़ो पर छिड़काव करे आदि ।

▶▶ सेमीलूपर रोग

बरसीम के पौधों में इस किस्म का रोग हरी सुंडी के रूप में दिखाई देता है । यह सुंडी रोग पौधों की पत्तियों को खाकर उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर देता है । सेमीलूपर रोग का आक्रमण बढ़ जाने पर पौधा पत्ती रहित दिखाई देने लगता है । इस रोग से बचाव के लिए एण्डोसल्फान 35 ईसी की उचित मात्रा का छिड़काव पौधों पर करना चाहिए।

▶▶थ्रिप्स कीट रोग

यह एक कीट जनित रोग होता है,जो पौधों की पत्तियों पर कीट के रूप में आक्रमण कर उसका रस चूस कर हानि पहुंचाता है, जिससे पौधों की पत्तियों का रंग पीला पड़ जाता है । इस रोग के लग जाने से पौधे की पत्तिया कुछ ही समय में सूखकर गिर जाती है, और पोधे की वृद्धि रुक जाती है । बरसीम के पौधों को इस रोग के आक्रमण से बचने के लिए मेथालियॉन, ड़ायमेथोयट या नीम के तेल का छिड़काव पौधों की पत्तियों पर करना चाहिए ।

बरसीम की उन्नत किस्में

वर्तमान समय में बरसीम की कई उन्नत किस्मो को उगाया जा रहा है, जिनका चुनाव उच्च गुणवत्ता के आधार पर किया जाता है ।

बी एल 1

बी एल 1 किस्म की बरसीम को पंजाब में अधिक मात्रा में उगाया जाता है । इसमें फसल को तैयार होने में बीज रोपाई के बाद 40 से 50 दिन का समय लगता है । इसे सर्दी और गर्मी दोनों ही मौसम में आसानी से उगाया जा सकता है । इस किस्म में प्रति हेक्टेयर के हिसाब से 110 टन का उत्पादन प्राप्त हो जाता है ।

पूसा ज्वाइंट

इस किस्म को अधिक समय तक पड़ने वाली सर्दी को सहन करने के लिए तैयार किया गया है । यह किस्म उन जगहों पर उगाई जाती है, जहाँ पर अधिक समय तक सर्दी का मौसम बना रहता है । इसके पौधों में एक से अधिक पत्तिया पाई जाती है । जिसमे निकलने वाले फूलो का आकार भी बड़ा होता है । यह प्रति हेक्टेयर के हिसाब से 90 टन का उत्पादन देती है ।

वरदान

इस किस्म के पौधों को तैयार होने में रोपाई के बाद 150 से 160 का समय लग जाता है । बरसीम की यह किस्म अधिकतर भारत के उत्तर राज्यों में उगाई जाती है । इस किस्म के पौधों की हरे चारे के लिए कटाई 4 से 5 बार की जा सकती है । इसकी खेती से 80 से 100 टन की पैदावार प्रति हेक्टेयर के खेत से की जा सकती है । इसके अलावा भी बरसीम की कई उन्नत किस्में मौजूद है, जिन्हे जलवायु और जगह के हिसाब से अधिक पैदावार के लिए उगाया जाता है, जिनमे बी बी 3, बी एल- 2, बी ए टी- 678, मेस्कावी, टाइप 529, जे एच बी 146, टाइप 561, टी- 724 वार्डन, बी एल 10, जवाहर बरसीम 1, जवाहर बरसीम 2, जे बी- 1, जे एच टी बी 146, एचएफबी 600, फहाली, डीप्लोइड, बी एल 42, यु.पि.बी. 10, टेट्राप्लौइड, गैंट राक्षस, जैदी, पूसा गैंट, सीडी और खादरावी जैसी कई उन्नत किस्में मौजूद है ।

स्ट्रॉबेरी की खेती

स्ट्रॉबेरी के व्यावसायिक उत्पादन के लिए जमीन की सतह से लगभग 25 से 30 सेंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बैड) बनाएं। क्यारियों की चौड़ाई 100 से 120 सेंटीमीटर तथा लंबाई खेत की स्थिति के अनुसार रखी जा सकती है। क्यारियों की देखभाल तथा विभिन्न कार्य करने के लिए दो क्यारियों के बीच में 40 से 50 सेंटीमीटर चौड़ा खाली स्थान (रास्ता) रखा जाता है। उठी हुई क्यारियां बनाने से अधिक जल आसानी से बाहर निकल जाता है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली में जल के साथ-साथ उर्वरक, कीटनाशक व अन्य घुलनशील रासायनिक तत्वों को भी सीधे पौधों तक पहुंचाया जा सकता है। जब पानी के साथ-साथ पोषक तत्व भी पौधों को उपलब्ध कराए जाते हैं, तो उसे फर्टिगेशन (फर्टिलाइजर+ इरीगेशन) के नाम से जाना जाता है। फर्टिगेशन में पूर्णत: घुलनशील या तरल उर्वरक का ही प्रयोग किया जा सकता है।

पाले या सर्दी से बचाव के लिए निम्न सुरंग (लो-टनल) तकनीक का प्रयोग करना लाभप्रद होता है। शरद ऋतु (दिसंबर से जनवरी) में तापमान में काफी गिरावट आ जाती है। इस समय खेत में स्ट्रॉबेरी के पौधों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक का उपयोग काफी फायदेमंद हो सकता है। इससे विपरीत ठंडे मौसम में भी अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है। लो-टनल एक कम ऊंचाई वाली संरचना होती है।

इसका निर्माण खुले खेत में उगाई जाने वाली फसल को कम तापमान या पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए किया जाता है। यह दूसरी संरचनाओं की अपेक्षा काफी कारगर एवं सस्ती तकनीक है। इसे तैयार करना काफी आसान होता है। लो-टनल संरचना में हरितगृह जैसा ही वातावरण उत्पन्न हो जाता है। निम्न सुरंग (लो-टनल) स्थापित करने के लिए अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों को 2 से 3 मीटर की दूरी पर स्थापित करते हैं।

- भूपेंद्र सिंह (संकलन-चंद्र मोहन शर्मा)

स्ट्रॉबेरी का वानस्पतिक नाम फ्रेगेरिया अननासा है। यह रोजेसी कुल का सदस्य है। इसका पौधा शाकीय, छोटा, कोमल तथा बहुवर्षीय होता है। इसका तना नाममात्र का तथा पूर्ण विकसित त्रिपत्री पत्तियां होती हैं । यह दो अन्य प्रजातियों (फ्रेगेरिया चिलयोनसिस एवं फ्रेगेरिया बरजीनियाना) के प्राकृतिक संकरण से विकसित किया गया है। स्ट्रॉबेरी के फल बडे लुभावने, रसीले एवं पौष्टिक होते हैं। ये मध्यम आकार (10 से 15 ग्राम), चित्ताकर्षक, सुवासयुक्त और सिंदूरी रंग लिए हुए बहुत ही नरम होते हैं।

इनका खाने योग्य भाग लगभग 98 प्रतिशत होता है। इन फलों में विटामिन- सी तथा लौह तत्व प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह अपने विशेष स्वाद एवं रंग के साथ-साथ औषधीय गुणों के कारण भी एक महत्वपूर्ण फल है। इसका उपयोग कई मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे आईसक्रीम, जैम, जैली, कैंडी, केक इत्यादि बनाने के लिए भी किया जाता है। इसकी खेती अन्य फल वाली फसलों की तुलना में कम समय में ज्यादा मुनाफा दिला सकती है। यह अल्प अवधि (4 से 5 महीने) में ही फलत देने वाली फसल है।

भारत में कुछ वर्षों पूर्व तक स्ट्रॉबेरी की खेती केवल पहाड़ी क्षेत्रों जैसे उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी, महाराष्ट्र, कालिम्पोंग इत्यादि जगहों तक ही सीमित थी। वर्तमान में नई उन्नत प्रजातियों के विकास से इसको उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा रहा है। इसके कारण यह मैदानी भागों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार आदि राज्यों में अपनी अच्छी पहचान बना चुकी है।

तकनीकी जानकारी के अभाव में किसान भाई इसकी खेती करने में अपने आपको असहज महसूस करते हैं। जबकि यदि स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक तकनीक से खेती की जाये, तो इसकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। अत: इस लेख में स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया है। इससे किसान भाई उच्च उत्पादन व गुणवत्ता वाले फल प्राप्त करके अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं।

उपयुक्त जलवायु

स्ट्रॉबेरी शीतोष्ण जलवायु की फसल है, परंतु उन्नत किस्मों के विकास से इसको अब समशीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यह कम प्रकाश अवधि (शॉर्ट डे) वाला पौधा है। इसमें पुष्पन प्रारंभ होने के लिए लगभग 10 दिनों तक 8 घंटे से कम प्रकाश अवधि की जरूरत होती है। पौधों की अच्छी बढ़वार के लिए दिन का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान । से 13 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त माना गया है। इसके फूलों व नाजुक फलों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक (लो टनल टैक्नीक) का प्रयोग किया जा सकता है।

भूमि का चयन

स्ट्रॉबेरी की खेती लगभग सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है। अधिक तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिए अच्छे जल निकास वाली, जीवाशयुक्त, हल्की बलुई दोमट मृदा, जिसका पी एच मान 5.5 से 6.5 के मध्य हो, उपयुक्त रहती है। मृदा में कैल्शियम की अधिक मात्रा से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। क्षारीय एवं सूत्रकृमि ग्रसित भूमि भी स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयुक्त नहीं रहती है।

स्ट्रॉबेरी के व्यावसायिक उत्पादन के लिए जमीन की सतह से लगभग 25 से 30 सेंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बैड) बनाएं। क्यारियों की चौड़ाई 100 से 120 सेंटीमीटर तथा लंबाई खेत की स्थिति के अनुसार रखी जा सकती है। क्यारियों की देखभाल तथा विभिन्न कार्य करने के लिए दो क्यारियों के बीच में 40 से 50 सेंटीमीटर चौड़ा खाली स्थान (रास्ता) रखा जाता है। उठी हुई क्यारियां बनाने से अधिक जल आसानी से बाहर निकल जाता है। इससे रोगों का प्रकोप कम होता है। साथ ही टपक सिंचाई यंत्र स्थापित करने में भी आसानी रहती है।

अत- हमेशा मृदा जांच के उपरांत ही खाद एवं उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। सामान्यत: खेत तैयार करते समय 10 से 12 टन कम्पोस्ट खाद, 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 30 किलोग्राम फॉस्फोरस व 25 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ की दर से डालनी चाहिए। इसमें फर्टिगेशन के रूप में एन पी के 19-19-19 की 25 ग्राम मात्रा प्रति वर्गमीटर की दर से सम्पूर्ण फसल चक्र में देनी चाहिए। यह मात्रा 15 दिनों के अंतराल पर 4 से 5 भागों में बांटकर देनी चाहिए। स्ट्रॉबेरी में सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव भी उत्पादन बढ़ाने में सहायक होता है

करता है । इसके पौधे की जड़े जमीन में ज्यादा गहराई तक नहीं जातीं है। यह सतह पर ही फैलने वाला पौधा होता है। अत: इसमें कम समय के अंतराल पर नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई पौध रोपण के तुरंत पश्चात कर देनी चाहिए। उसके बाद 2 से 3 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहें।

सिंचाई के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली उत्तम रहती है। इस पद्धति द्वारा पौधों को उनकी आवश्यकता अनुसार पानी को बूंद-बूंद के रूप में जड़ क्षेत्र में उपलब्ध कराया जाता है। इस प्रणाली में प्लास्टिक लाइनों द्वारा पानी पौधों की जड़ों में सीधा तथा समान रूप से पहुंचाया जा सकता है। इसके साथ ही कम पानी का प्रयोग करके अधिकतम पैदावार ली जा सकती है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली में जल के साथ-साथ उर्वरक, कीटनाशक व अन्य घुलनशील रासायनिक तत्वों को भी सीधे पौधों तक पहुंचाया जा सकता है। जब पानी के साथ-साथ पोषक तत्व भी पौधों को उपलब्ध कराए जाते हैं, तो उसे फर्टिगेशन (फर्टिलाइजर+ इरीगेशन) के नाम से जाना जाता है। फर्टिगेशन में पूर्णत: घुलनशील या तरल उर्वरक का ही प्रयोग किया जा सकता है।

पाले या सर्दी से बचाव के लिए निम्न सुरंग (लो-टनल) तकनीक का प्रयोग करना लाभप्रद होता है। शरद ऋतु (दिसंबर से जनवरी) में तापमान में काफी गिरावट आ जाती है। इस समय खेत में स्ट्रॉबेरी के पौधों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक का उपयोग काफी फायदेमंद हो सकता है। इससे विपरीत ठंडे मौसम में भी अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है। लो-टनल एक कम ऊंचाई वाली संरचना होती है।

इसका निर्माण खुले खेत में उगाई जाने वाली फसल को कम तापमान या पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए किया जाता है। यह दूसरी संरचनाओं की अपेक्षा काफी कारगर एवं सस्ती तकनीक है। इसे तैयार करना काफी आसान होता है। लो-टनल संरचना में हरितगृह जैसा ही वातावरण उत्पन्न हो जाता है। निम्न सुरंग (लो-टनल) स्थापित करने के लिए अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों को 2 से 3 मीटर की दूरी पर स्थापित करते हैं।

उसके बाद अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों के ऊपर मध्य में रस्सी बांध देते हैं। इन तारों पर 50 माइक्रॉन मोटाई तथा 2 मीटर चौड़ी पारदर्शी प्लास्टिक की चादर बिछाकर इसकी लंबाई वाले दोनों सिरों को मिट्टी से दबा देते हैं। इससे तेज हवा चलने पर भी प्लास्टिक नहीं उड़ती। निम्न सुरंग या पॉलीथीन की ऊंचाई लगभग 60 से ा0 सेंटीमीटर रखते हैं।

प्लास्टिक की फिल्म को दिन के समय हटा देते हैं तथा रात के समय पुन: ढक देते हैं। ऐसा करने से सुरंग के अंदर मिट्टी के तापमान में वृद्धि हो जाती है। इससे पुष्पन जल्दी होता है और अच्छी फलत प्राप्त होती है। फरवरी के दूसरे या तीसरे सप्ताह में जब तापमान बढ़ जाता है तो प्लास्टिक फिल्म को पूर्णत: हटा देते हैं।

चूर्णी फफूद या छाछ्या- इस रोग के लक्षण पहले स्ट्रॉबेरी की पत्तियों की ऊपरी सतह पर एवं तनों के ऊपर छोटे-छोटे बैंगनी रंग के धब्बों के रूप में दिखते हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या केलिक्सिन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

एंथ्रेक्नोज (श्यामव्रण) एवं फल सड़न- यह रोग भी गर्म एवं आर्द्र मौसम में ज्यादा फैलता है। इसके कारण स्ट्रॉबेरी की पत्तियों पर हल्के, गहरे काले रंग के धब्बे दिखाई देने लगते हैं। यह फलों को भी प्रभावित करता है। इससे गोल हल्के जलीयनुमा धब्बे फलों पर दिखाई देने लगते हैं।

रोकथाम- इससे बचाव के लिए हमेशा अच्छे जल निकास एवं खरपतवार मुक्त खेत में ही स्ट्रॉबेरी उगाएं साथ ही स्वस्थ एवं रोगमुक्त रोपण सामग्री के साथ-साथ फसलचक्र अपनाएं। कार्बेन्डाजिम दवा 200 ग्राम को 100 लीटर पानी में मिलाकर 10 से 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

ग्रे मोल्ड- यह कवक स्ट्रॉबेरी के सम्पूर्ण पौधे (तना, पत्तियां, फल, फूल, पेटीओल) को नुकसान पहुंचाता है। परंतु पुष्पन एवं फल लगते समय यह ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। इसके कारण कच्चे एवं पके फल खराब हो जाते हैं। प्रभावित भागों पर ग्रे रंग के धब्बे बन जाते हैं। यह हवा एवं पानी द्वारा रोगग्र सित भाग से स्वस्थ पौधों में फैल जाता है। बारिश

के दिनों में जब तापमान कम एवं आर्द्रता ज्यादा होती है, तो इसके फैलने के लिए यह बहुत अनुकूल समय होता है। अत: इसका सही समय पर बचाव जरूरी है।

रोकथाम- इससे बचाव के लिए डाइथेन एम- 45 नामक फहूंदनाशी की 1.5 ग्राम मात्रा का प्रति लीटर पानी में डालकर छिड़काव करना चाहिए।

स्ट्रॉबेरी के फलों की तुड़ाई का समय बाजार की दूरी के अनुसार तय करते हैं। सामान्यत: फलों की तुड़ाई आधे से तीन चौथाई भाग (2/3) के रंग बदलने के पश्चात करते हैं। फलों की तुड़ाई डंठल सहित प्रात- काल सूरज निकलने से पूर्व ही पूर्ण कर लेनी चाहिए। तोड़े हुए फलों को रखने के लिए ट्रे का प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि इसके फल बड़े नाजुक होते हैं। इन्हें गहरे बर्तन में रखने से फलों की ऊंची परत के दबाव के कारण नीचे भरे फलों को नुकसान पहुंच सकता है।

स्ट्रॉबेरी के फलों को 2 से 3 दिनों तक ही सुरक्षित रखा जा सकता है।

स्ट्रॉबेरी उथली जड़ वाला पौधा है। अत रोपाई के पूर्व खेत को भली भांति तैयार कर लेना चाहिए। इसके लिए एक जुताई मृदा पलटने वाले हल से तथा 2 से 3 जुताई देसी हल से करके पाटा चलाकर मृदा को अच्छी तरह भुरभुरा बना लेना चाहिए। यदि मिटटी में किसी कवक या बीमारी का प्रकोप हो तो उसे उपचारित कर लें। इसके लिए गर्मियों में जब तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के मध्य हो, मृदा सौरीकरण कर लेना चाहिए। सौरीकरण करने के लिए क्यारियों को हल्का नम कर या हल्की सिंचाई कर, 200 गेज की प्लास्टिक की पारदर्शी फिल्म से 6 से 8 सप्ताह तक ढककर रखें। प्लास्टिक फिल्म के किनारों को मिटटी से ढक देना चाहिए, ताकि हवा अंदर प्रवेश नहीं कर पाए।

स्ट्रॉबेरी के व्यावसायिक उत्पादन के लिए जमीन की सतह से लगभग 25 से 30 सेंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बैड) बनाएं। क्यारियों की चौड़ाई 100 से 120 सेंटीमीटर तथा लंबाई खेत की स्थिति के अनुसार रखी जा सकती है।

क्यारियों की देखभाल तथा विभिन्न कार्य करने के लिए दो क्यारियों के बीच में 40 से 50 सेंटीमीटर चौड़ा खाली स्थान (रास्ता) रखा जाता है। उठी हुई क्यारियां बनाने से अधिक जल आसानी से बाहर निकल जाता है। इससे रोगों का प्रकोप कम होता है। साथ ही टपक सिंचाई यंत्र स्थापित करने में भी आसानी रहती है।